mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-02 अंक-149 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

मनेन्द्रगढ़
31 मई 2026 रविवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

: ब्रीफ बॉक्स :

ट्रम्प की बेटी टिफनी ने पति के साथ ताजमहल देखा

डायना बेंच पर फोटो खिंचवाई

आगरा, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की बेटी टिफनी अपने पति माइकल बॉऊलोस के साथ शनिवार को आगरा पहुंचीं। दोनों ने करीब एक घंटे ताजमहल परिसर में बिताए। ताजमहल की खूबसूरती देखकर टिफनी काफी खुश नजर आई। उन्होंने गाइड रमेश धवन से कई सवाल किए। रमेश ने डिटेल में ताजमहल के इतिहास के बारे में बताया। टिफनी और माइकल डायना बेंच के पास पहुंचे। एक-दूसरे का हाथ थामकर तस्वीरें खिंचवाई। दोनों ने अलग-अलग पोज में फोटोज क्लिक करवाई। उन्होंने अपने स्टाफ के साथ ग्रुप फोटो भी खिंचवाई।इस दौरान टिफनी नारंगी रंग की लांग ड्रेस और माइकल टीशर्ट-ट्राउजर में नजर आए। दोनों ने धूप वाले चश्मे लगा रखे थे। इससे पहले टिफनी का चार्टर्ड विमान सुबह 11.30 बजे खेरिया एयरपोर्ट पर लैंड हुआ। यहां से होटल जाने की बजाय उनका काफिला सीधा ताजमहल पहुंचा। गोल्फ कार्ट में बैठकर टिफनी और माइकल ताजमहल परिसर में दाखिल हुए। हाथ जोड़कर लोगों को धन्यवाद कहा। उनके साथ भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर भी मौजूद थे।

भारत-अमेरिका में सेमीकंडक्टर, एआई और क्वांटम टेक्नोलॉजी में सहयोग होगा तेज: सर्जियो गोर

नई दिल्ली, एजेंसी। बदलती दुनिया में तकनीक और शोध किसी भी देश की ताकत मानी जाती है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), क्वांटम टेक्नोलॉजी और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों में तेजी से हो रहे विकास के बीच भारत और अमेरिका अपनी साझेदारी को और मजबूत करने में जुटे हैं।

भारत में अमेरिका के राजदूत एचई सर्जियो गोर ने कहा है कि आने वाले समय में सेमीकंडक्टर, एआइ, क्वांटम टेक्नोलॉजी और रिसर्च इनोवेशन जैसे क्षेत्रों में भारत और अमेरिका के बीच सहयोग और तेज होगा।

देश में घरेलू हिंसा दर 29.2% से घटकर 22.3% हुई

» महिलाओं में मोटापा 7% बढ़ा; 96.5% घरों तक साफ पानी पहुंचा

नई दिल्ली, एजेंसी। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे 2023-24 (NFHS-6) की रिपोर्ट शुक्रवार को जारी हो गई। रिपोर्ट के मुताबिक, महिलाओं में मोटापा साल 2019-21 के मुकाबले 7% बढ़ गया।

देश में घरेलू हिंसा की दर 29.2% से घटकर 22.3% पर आ गई है। वहीं, बाल विवाह का कुल आंकड़ा 23.3% से घटकर 20.1% रह गया है। कामकाजी महिलाएं 30.8% तक पहुंच गई, जो पहले 25.4% थीं। वहीं, निजी अस्पतालों में होने वाली सिजेरियन डिलीवरी 54.1% के रिकॉर्ड स्तर पर है। शुरुआती 6 महीनों तक शिशुओं को 'केवल स्तनपान' कराने की दर 63.7% से गिरकर 55.8% पर आ गई है।

98.3% घरों में बिजली और 96.5% घरों में साफ पानी पहुंच चुका है। महिलाओं में इंटरनेट का उपयोग दोगुना होकर 64.3% पर पहुंच गया है।

18.8% महिलाओं के पास जमीन का मालिकाना हक.... देश में अब कुल 18.8% परिवारों में महिलाओं के पास मकान या जमीन का मालिकाना हक है। शहरों में 18.2% और ग्रामीण इलाकों में 19.1%। जबकि पिछले (2021) सर्वे में यह केवल 14.0% था। लेकिन परिवार नियोजन के आधुनिक तरीके (जैसे गोली, कंडोम, नसबंदी) अपनाने वाली महिलाओं की संख्या में गिरावट आई है और यह पिछले सर्वे के 56.4% से घटकर अब कुल 52.7% रह गई हैं।

रिपोर्ट- ईरान को 28 लाख करोड़ रीकंस्ट्रक्शन फंड मिलेगा

» अमेरिकी कंपनियां निवेश करेंगी; ट्रम्प बोले- परमाणु कार्यक्रम पर सहमति, ईरान ने खारिज किया

तेहरान/ वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच प्रस्तावित 60 दिन के युद्धविराम समझौते की शर्तों में ईरान के लिए 300 अरब डॉलर यानी करीब 28.5 लाख करोड़ रुपए के फंड और अमेरिकी कंपनियों के निवेश का प्रस्ताव शामिल है।

न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, एक ईरानी अधिकारी ने इसे रीकंस्ट्रक्शन प्रोग्राम बताया। उन्होंने कहा कि अंतिम समझौते पर हस्ताक्षर होने पर ईरान को यह आर्थिक मदद देने का वादा किया जाएगा।

वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया है कि दोनों पक्ष परमाणु कार्यक्रम पर सहमति के करीब पहुंच गए हैं। ईरान परमाणु हथियार नहीं बनाएगा और उसके एनरिच्ड यूरेनियम को नष्ट किया जाएगा। हालांकि, ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघई ने इस दावे को खारिज किया है। उन्होंने कहा कि परमाणु मुद्दे पर कोई बातचीत नहीं हो रही है।

मुंबई में सीएनजी दो रुपये प्रति किलो हुई महंगी

» अब 86 रुपये हुआ दाम

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकारी गैस वितरक कंपनी महानगर गैस लिमिटेड (MGL) ने मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन (MMR) में कंप्रेस्ड नेचुरल गैस (CNG) की कीमतें बढ़ा दी हैं। अब खुदरा दरें 2 रुपये प्रति किलोग्राम बढ़ गई हैं। मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई और एमएमआर के अन्य हिस्सों में सीएनजी की कीमत अब 86 रुपये प्रति किलोग्राम होगी। कीमतों में आखिरी बार 14 मई को बदलाव किया गया था, जब दरों में 2 रुपये प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी की गई थी।

महंगाई का डोज: वर्तमान में एमजीएल मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, कल्याण, रायगढ़, रत्नागिरी, चित्रदुर्ग, दावणगेरे, लातूर और उस्मानाबाद में सीएनजी की सप्लाई करता है। इस बढ़ोतरी से निजी वाहन मालिकों, टैक्सियों और सीएनजी पर निर्भर सार्वजनिक परिवहन बेड़ों के परिचालन खर्च में वृद्धि होगी, हालांकि प्रति किलोमीटर के हिसाब से यह ईंधन अभी भी पेट्रोल और डीजल की तुलना में सस्ता बना हुआ है।

पेट्रोल-डीजल की कीमतें: सोमवार को पेट्रोल की कीमतें 2.61 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमतें 2.71 रुपये बढ़ाई गई। दो हफ्तों से भी कम समय में यह चौथी बढ़ोतरी है। मुंबई में अभी पेट्रोल की कीमत 111.21 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 97.83 रुपये है।

डिजिटल इंडिया: खूब इंटरनेट इस्तेमाल कर रही भारतीय महिलाएं

दो साल में दोगुनी हुई संख्या; बैंक खाते भी बढ़े

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में महिलाओं की डिजिटल पहुंच और आर्थिक सशक्तिकरण के क्षेत्र में बड़ी प्रगति दर्ज की गई है। शुक्रवार को जारी राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस-6) की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में इंटरनेट का इस्तेमाल करने वाली महिलाओं की संख्या पिछले कुछ वर्षों में लगभग दोगुनी हो गई है।

सर्वे के अनुसार, बैंक या बचत खाते रखने वाली महिलाओं की संख्या 78.6 प्रतिशत से बढ़कर 89 प्रतिशत हो गई है। वहीं खुद का मोबाइल फोन रखने वाली महिलाओं का प्रतिशत 53.9 से बढ़कर 63.6 हो गया है। यह बदलाव बताता है कि महिलाएं अब वित्तीय और डिजिटल दोनों स्तरों पर पहले से अधिक आत्मनिर्भर बन रही हैं।

64% से ज्यादा महिलाएं अब इंटरनेट से जुड़ीं....

रिपोर्ट के मुताबिक, 2019-21 के दौरान केवल 33.3 प्रतिशत महिलाओं ने कभी न कभी इंटरनेट का इस्तेमाल किया था। वहीं 2023-24 में यह आंकड़ा बढ़कर 64.3 प्रतिशत पहुंच गया। यानी अब देश की लगभग दो-तिहाई महिलाएं इंटरनेट की दुनिया से जुड़ चुकी हैं। विशेषज्ञ इसे महिलाओं की बढ़ती डिजिटल भागीदारी और तकनीक तक आसान पहुंच का संकेत मान रहे हैं।

किशोरियों के स्वास्थ्य से जुड़ी सकारात्मक तस्वीर: रिपोर्ट में किशोरियों और युवतियों के स्वास्थ्य से जुड़ी एक सकारात्मक तस्वीर भी सामने आई है। 15 से 24 वर्ष की आयु वर्ग की महिलाओं में सुरक्षित और स्वच्छ मासिक धर्म उत्पादों के इस्तेमाल का प्रतिशत 77.6 से बढ़कर 79.2 हो गया है। सरकार का कहना है कि मासिक धर्म स्वच्छता योजना और जनऔषधि केंद्रों के जरिए सस्ते सैनिटरी उत्पाद उपलब्ध कराने जैसी योजनाओं ने इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

रिपोर्ट में इन बीमारियों को लेकर दी गई चेतावनी: केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि सर्वे के नतीजे मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, पोषण, महिला सशक्तिकरण और बुनियादी सेवाओं तक पहुंच में लगातार सुधार को दर्शाते हैं।

अमरनाथ यात्रा के लिए अभूतपूर्व सुरक्षा इंतजाम, 80 हजार जवान रहेंगे तैनात

» दो माह तक चलने वाली यात्रा में 5 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद

श्रीनगर, एजेंसी। अमरनाथ यात्रा 2026 को लेकर जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा के सख्त इंतजाम किए जा रहे हैं। 3 जुलाई से शुरू होकर 28 अगस्त तक चलने वाली इस वर्ष की यात्रा के लिए 80 हजार से अधिक सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की जाएगी। अधिकारियों के अनुसार यह अमरनाथ यात्रा के इतिहास की सबसे बड़ी सुरक्षा व्यवस्था मानी जा रही है। सुरक्षा योजना के तहत लगभग 60 हजार अर्धसैनिक बलों के जवानों को जम्मू-कश्मीर में तैनात किया जाएगा। इसके लिए केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) की करीब 700 कंपनियां विभिन्न संवेदनशील क्षेत्रों में लगाई जाएंगी। इनके अलावा पहले से तैनात जम्मू-कश्मीर पुलिस और भारतीय सेना के करीब 20 हजार जवान भी यात्रा सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। यात्रा मार्गों, आधार शिविरों, संवेदनशील स्थानों और श्रद्धालुओं के ठहराव केंद्रों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी।

सुरक्षा एजेंसियां आधुनिक तकनीक, निगरानी उपकरणों और बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था के जरिए यात्रा को सुरक्षित और सुचारु बनाने की तैयारी में जुटी हैं। इस वर्ष सुरक्षा बढ़ाने का एक प्रमुख कारण यात्रा की अवधि में वृद्धि भी है।

आर्मी चीफ बोले- भारत ऑपरेशन सिंदूर 2.0 की तैयारी में

● तीनों सेनाएं अगले युद्ध के लिए 24 घंटे तैयारी कर रहीं, अभी सिर्फ संघर्ष विराम

पुणे/ दिल्ली, एजेंसी। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है। फिलहाल केवल संघर्षविराम जैसे स्थिति है। अगर जरूरत पड़ी तो तीनों सेनाएं 'ऑपरेशन सिंदूर 2.0' के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

आर्मी चीफ ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने एक बेंचमार्क सेट कर दिया है कि भारत उकसावे पर कैसे जवाब देता है। कैडेट्स अपने सैन्य करियर की शुरुआत से ही इसे बनाए रखें।

आर्मी चीफ पुणे के खड़कवासला में शनिवार को राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (NDA) का 150वीं पासिंग आउट परेड में शामिल हुए। रिव्यूइंग ऑफिसर के तौर पर उन्होंने 355 कैडेट अफसरों की परेड की सलामी ली। इस दौरान कैडेट्स ने मार्च पास्ट किया। फ्लाईपास्ट में Su-30 MKI लड़ाकू विमान, चेतक हेलिकॉप्टर, सारंग हेलिकॉप्टर एरोबेटिक्स टीम और आकाशगंगा स्काईडाइविंग टीम ने हिस्सा लिया।

द्विवेदी बोले- भविष्य में लड़ाई मॉडर्न टेक्नोलॉजी क्षेत्रों में भी लड़े जाएंगे ... जनरल द्विवेदी ने कहा कि भविष्य के लड़ाई केवल जमीन, हवा और समुद्र तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि साइबर, अंतरिक्ष और अन्य मॉडर्न टेक्नोलॉजी क्षेत्रों में भी लड़े जाएंगे।
सेना प्रमुख ने बताया कि भारतीय सेना डिकेड ऑफ ट्रांसफॉर्मेशन पहल के तहत खुद को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार कर रही है। इसके तहत नई तकनीकों और आधुनिक सैन्य ढांचे को बढ़ावा दिया जा रहा है।

दिल्ली में पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के 9 एजेंट गिरफ्तार

हथियार, हैंड ग्रेनेड और विस्फोटक बरामद; धार्मिक स्थलों, सुरक्षा बलों पर हमले की साजिश नाकाम

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने दिल्ली में बड़े आतंकी हमले की साजिश को नाकाम किया। पुलिस ने दाऊद इब्राहिम के नेटवर्क और पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करते हुए 9 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनके पास से हथियार, हैंड ग्रेनेड और विस्फोटक सामग्री बरामद हुई है। जांच एजेंसियों के मुताबिक यह नेटवर्क लंबे समय से तैयार किया जा रहा था। इसका मकसद दिल्ली में मंत्रालयों, सुरक्षा बलों और प्रमुख धार्मिक स्थलों को निशाना बनाना था। शुरुआती जांच में आरोपियों के तार पाकिस्तान समर्थित हैंडलर्स और मुंबई अंडरवर्ल्ड से जुड़े मिले हैं।

सूत्रों के मुताबिक गिरफ्तार आरोपियों में कुछ नेपाल मूल के लोग भी शामिल हैं। इन लोगों को विशेष रूप से हमलों को अंजाम देने के लिए तैयार किया जा रहा था।

फंडिंग और भर्ती नेटवर्क की जांच... दिल्ली पुलिस अब इस मॉड्यूल के फंडिंग स्रोतों, भर्ती प्रक्रिया और लॉजिस्टिक सपोर्ट सिस्टम की गहन जांच कर रही है। साथ ही उन स्थानीय मददगारों और विदेशी हैंडलर्स की भूमिका भी खंगाली जा रही है, जो कथित तौर पर इस साजिश में शामिल थे।

एजेंसियां अब यह पता लगाने में जुटी हैं कि नेटवर्क का संचालन कौन कर रहा था और भारत में इसके स्थानीय सहयोगी कौन हैं।

जहरीली शराब पीने से अवैध शराब विक्रेता राहुल क्षीरसागर की भी मौत

» पुलिस प्रशासन ने तीन पुलिस अधिकारियों को किया निलंबित

पुणे, एजेंसी। महाराष्ट्र के पुणे और पिंपरी चिंचवाड़ में जहरीली शराब पीने से मौत का आंकड़ा बढ़ गया है। इस पूरे मामले में अवैध शराब विक्रेता राहुल क्षीरसागर की भी जहरीली शराब पीने से मौत होने की जानकारी सामने आई है। 13 मई को राहुल क्षीरसागर के खिलाफ शराब बिक्री के संबंध में हडपसर पुलिस स्टेशन में मामला भी किया गया था। पुणे के हडपसर इलाके के पांढरे माला क्षेत्र में जहरीली शराब पीने से कम से कम 13 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है।

स्थानीय लोगों के मुताबिक शराब पीने के कुछ ही देर बाद लोगों की तबीयत बिगड़ने लगी। लोगों को उल्टी और पेट दर्द की शिकायत हुई, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस मामले में पुणे पुलिस प्रशासन ने तीन पुलिस अधिकारियों को निलंबित कर दिया है। निलंबित किए गए अधिकारियों में वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक संजय मोगले, सहायक पुलिस निरीक्षक हसीना सिकलगार और पुलिस उपनिरीक्षक हसन मुलाणी शामिल हैं।

प्राइवेट अस्पतालों में सी-सेक्शन बना 'न्यू नॉर्मल'

जम्मू-कश्मीर में 90% और तेलंगाना में 84% सिजेरियन डिलीवरी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के प्राइवेट अस्पतालों में अब सिजेरियन ऑपरेशन के जरिए बच्चों का जन्म होना नॉर्मल हो गया है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के नए आंकड़ों के अनुसार, देश के प्राइवेट अस्पतालों में होने वाली डिलीवरी में से 54% से अधिक मामले सिजेरियन के पाए गए हैं। इस मामले में कुछ राज्य बहुत आगे हैं। पश्चिम बंगाल के प्राइवेट अस्पतालों में यह आंकड़ा सबसे ज्यादा चिंताजनक है, जहां 87.7% बच्चों का जन्म ऑपरेशन से हुआ है। वहीं, तेलंगाना में 84% और आंध्र प्रदेश में 66% प्राइवेट डिलीवरी सिजेरियन दर्ज की गई हैं।

आधे से अधिक जन्म सिजेरियन के जरिए: देश के 27 राज्यों और दो बड़े केंद्र शासित प्रदेशों दिल्ली और जम्मू-कश्मीर में से 18 राज्यों में स्थिति यह है कि प्राइवेट अस्पतालों में होने वाले आधे से अधिक जन्म सिजेरियन के जरिए ही हो रहे हैं। अगर सरकारी और प्राइवेट दोनों अस्पतालों को मिला दिया जाए, तो भी कुछ राज्यों में कुल सिजेरियन का आंकड़ा बहुत ज्यादा है। तेलंगाना में कुल डिलीवरी का 62% से ज्यादा हिस्सा सिजेरियन है, जबकि आंध्र प्रदेश में यह 52% से अधिक और पश्चिम बंगाल में 44.5% है। जम्मू-कश्मीर की कहानी और भी अलग है, जहां प्राइवेट अस्पतालों में सिजेरियन का रेट 90% तक पहुंच गया है और सरकारी अस्पतालों में भी यह लगभग 49% है। यही वजह है कि जम्मू-कश्मीर में होने वाली डिलीवरी में से आधी से ज्यादा सिजेरियन होती हैं।

सालों-साल लगातार बढ़ रहा है आंकड़ा... भारत में पिछले दो दशकों में सिजेरियन जन्मों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। साल 2004-05 में देश में सिर्फ 8.5% सिजेरियन डिलीवरी होती थीं, जो 2015-16 में बढ़कर 17.2% हो गई और फिर 2019-21 में यह आंकड़ा 21.5% तक पहुंच गया। ताजा रिपोर्ट के अनुसार, अब देश में पैदा होने वाले चार में से एक से अधिक बच्चे (27.2%) सिजेरियन के जरिए दुनिया में आ रहे हैं।

राहत की बात यह है कि सरकारी अस्पतालों में यह बढ़ोतरी काफी धीमी रही है। साल 2005-06 में सरकारी अस्पतालों में सिजेरियन रेट 15.2% था, जो अब मामूली बढ़त के साथ 16.9% पर पहुंचा है। हालांकि, दक्षिण भारत के राज्यों जैसे तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक और तेलंगाना के सरकारी अस्पतालों में भी 34% से 48% तक सिजेरियन डिलीवरी हो रही हैं।

असम और ओडिशा के प्राइवेट अस्पतालों में भले ही सिजेरियन का आंकड़ा बहुत ऊंचा क्रमशः 81.4% और 76.8% है, लेकिन इन राज्यों में कुल मिलाकर सिजेरियन की संख्या काफी कम है। इसका कारण यह है कि इन राज्यों में तीन-चौथाई से अधिक महिलाएं डिलीवरी के लिए सरकारी अस्पतालों में जाती हैं, जहां सिजेरियन का रेट काफी कम है। असम के सरकारी अस्पतालों में यह रेट केवल 18% और ओडिशा में करीब 22% है, जिसके कारण इन राज्यों का कुल औसत नियंत्रित रहता है।

राष्ट्रभक्ति और सैन्य गौरव का प्रतीक बन रहा लखनऊ : राजनाथ

लखनऊ में 'नौसेना शौर्य वाटिका' का लोकार्पण

लखनऊ, एजेंसी। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ शनिवार को लखनऊ के सीजी सिटी में नौ करोड़ की लागत से निर्मित 'नौसेना शौर्य वाटिका' का लोकार्पण किया। इस अवसर पर रक्षा मंत्री ने कहा कि लखनऊ राष्ट्रभक्ति और सैन्य गौरव का प्रतीक बन रहा है।

लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ ने कहा कि नौसेना शौर्य वाटिका लखनऊ के लिए एक प्रेरणा स्थल और लखनऊ की पहचान बनेगा। यह शौर्य वाटिका केवल बनावट का नमूना भर नहीं है यह हमें सेनाओं के संघर्ष और योगदान को स्मरण कराएगी।

रक्षामंत्री ने घोषणा की कि यहां पर पनडुब्बी भी आयेगी। बच्चों व परिवारों को यहां लेकर जरूर आएं, ताकि सेना के शौर्य से परिचित हो सकें।

राजनाथ ने कहा कि भारत का रक्षा क्षेत्र कभी निर्यात के लिए नहीं जाना जाता था। हम हथियार बाहर से ही आयात करते थे। अब भारत का रक्षा क्षेत्र आत्मनिर्भर होने की ओर तेजी से बढ़ रहा है। 2014 से पहले भारत एक हजार करोड़ के रक्षाक्षेत्र से जुड़े कल पुर्जे ही निर्यात करता था। अब 40 हजार करोड़ के हथियार हम दुनिया के अन्य देशों में निर्यात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत ताकतवर तभी कहलायेगा जब हथियाओं के निर्माण में हम आत्मनिर्भर होंगे। हम भारतीय सेनाओं के लिए अत्याधुनिक हथियार भारत में ही बना रहे हैं।

कुदरत का महातांडव आंधी वर्षा से बंगाल समेत कई राज्यों में तबाही, यूपी में 20 तो बिहार में 14 लोगों की मौत

कोलकाता, लखनऊ, पटवान, एजेंसी। कई दिनों की भीषण गर्मी के बाद गुरुवार को बदला मौसम कहर बनकर बरपा। नए पश्चिमी विक्षोभ के कारण तेज आंधी के साथ हुई वर्षा और ओलावृष्टि ने भारी तबाही मचाई। बिजली के खंभे और पेड़ों के गिरने से बिजली आपूर्ति बाधित हुई तो रेल परिचालन पर भी असर पड़ा। खराब मौसम के कारण कई विमानों को डायवर्ट करना पड़ा। वर्षा जनित हादसों के कारण सिर्फ उत्तर प्रदेश में 20 लोगों की मौत हो गई। बिहार में 14, उत्तराखंड में दो और झारखंड में दो लोगों की मौत की सूचना है। उत्तर प्रदेश में गुरुवार देर रात शुरू हुई आंधी-वर्षा और ओलावृष्टि की चपेट में वैसे तो पूरा प्रदेश रहा, लेकिन सबसे ज्यादा असर बुंदेलखंड और पूर्वांचल में दिखा। पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल स्थित चौरीचौरा और गौरी बाजार रेलवे स्टेशन के बीच रेल लाइन पर चार पेड़ गिर गए। इस कारण शुक्रवार को गोरखपुर कैंट से देवरिया के बीच बिजली कट गई, जिससे ट्रेनें जहां थीं, वहीं रुक गईं। उरई और भुआ स्टेशनों के बीच ओवर हेड इलेक्ट्रिक लाइन का खंभा टूटने से झांसी लखनऊ रेलखंड पर ट्रेन संचालन बंद हो गया है। वाराणसी में 75 किमी प्रति घंटा के वेग से आंधी चली। प्रयागराज में मई के महीने में एक दिन में सर्वाधिक वर्षा का 55 साल पुराना रिकॉर्ड टूट गया। रात एक बजे से सुबह पांच बजे के बीच चार घंटों में 61 मिलीमीटर बारिश हुई, इससे पहले 18 मई 1971 में 54 मिलीमीटर बारिश का रिकार्ड था। योगी आदित्यनाथ ने नुकसान का आकलन कर 24 घंटे के भीतर राहत राशि बांटने के निर्देश दिए हैं। बिहार में शुक्रवार को आंधी-पानी और वज्रपात के कारण जान-माल का भारी नुकसान हुआ है।

पश्चिमी चंपारण जिले में गंडक का जलस्तर बढ़ने लगा: शुक्रवार को पटना में 107 व गया में 74 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से हवा चली। प्रदेश में सबसे अधिक वर्षा मोतिहारी में 116.0 मिमी हुई। उधर, नेपाल में वर्षा से पश्चिमी चंपारण जिले में गंडक का जलस्तर बढ़ने लगा है। पुजहा घाट के समीप नदी का पानी बढ़ने से पीपा पुल तक जाने वाला संपर्क मार्ग डूबकर क्षतिग्रस्त हो गया है। कोडरमा रेलखंड पर करीब तीन घंटे तक रेल परिचालन बाधित रहा। खराब मौसम के कारण पटना एयरपोर्ट पर चार विमानों को डायवर्ट करना पड़ा, जबकि 36 उड़ानें घंटों विलंब से संचालित हुईं। वहीं, मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने आपदा प्रबंधन विभाग को मृतकों के स्वजन को अविलंब चार-चार लाख रुपये अनुग्रह अनुदान प्रदान करने का निर्देश दिया है। झारखंड के कई हिस्सों में तेज हवाओं के साथ हुई हल्की से मध्यम वर्षा से लोगों को गर्मी से राहत मिली है।

तुंगनाथ-चोपता में वज्रपात, लखनऊ के दो भाइयों की मौत: रुद्रप्रयाग के तुंगनाथ-चोपता क्षेत्र में शुक्रवार शाम तेज आंधी-तूफान और आकाशीय बिजली गिरने से लखनऊ निवासी दो भाइयों की मौत हो गई। वे तुंगनाथ-चोपता क्षेत्र में ट्रेकिंग के लिए पहुंचे थे। हादसे में तीन अन्य घायल हो गए। प्रतिकूल मौसम में फंसे 50 से अधिक पर्यटकों का प्रशासन और राहत एजेंसियों ने रेस्क्यू किया।

दादरी से लंबी दूरी की स्पेशल ट्रेन हुई हिट, 200 यात्रियों से हुई शुरुआत; अब आंकड़ा 600 के पार

दादरी, एजेंसी। दादरी रेलवे स्टेशन से प्रयागराज के लिए तीन मई से शुरू की गई समर स्पेशल ट्रेन अब सुपरहिट हो गई है। रेलवे ने संगम स्नान और हाई कोर्ट जाने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए इस अस्थाई ट्रेन का संचालन शुरू किया था। शुरुआत में इसमें करीब 200 यात्री सफर करते थे, लेकिन अब यह आंकड़ा 600 प्रतिदिन के पार पहुंच गया है। दादरी रेलवे अधीक्षक हेमंत कुमार ने बताया कि पहले यह ट्रेन तीन मई से एक जून तक चलाने की योजना थी, लेकिन यात्रियों की बढ़ती मांग को देखते हुए इसे एक अगस्त तक बढ़ा दिया गया है। शुरुआत में ट्रेन में एक एसी कोच और बाकी स्लीपर कोच थे। अब दो एसी कोच और जोड़े गए हैं। भविष्य में इस स्पेशल ट्रेन को फुल एसी करने की योजना है और इसके लिए स्लीपर बोगी हटाई जाएंगी।

ट्रेन नंबर 02418 दादरी से रात 10:15 बजे चलकर अगले दिन सुबह नौ बजे प्रयागराज पहुंचती है। वापसी में ट्रेन नंबर 02417 प्रयागराज से रात आठ बजे चलकर दादरी सुबह 1:15 बजे पहुंचती है।

इन स्टेशनों पर है ठहराव: दोनों तरफ से ट्रेन का ठहराव खुर्जा, अलीगढ़, हाथरस, टूंडला, शिकोहाबाद, इटावा, फफूंद, गोविंदपुरी, फतेहपुर, सिराथू, प्रयागराज है। ट्रेन में एसी, स्लीपर और जनरल सभी श्रेणी के कोच हैं। दादरी स्टेशन पर रिजर्वेशन की सुविधा उपलब्ध है।

स्पेशल ट्रेन में डिब्बों का विवरण: ट्रेन में कुल 16 बोगी हैं। इनमें एक फर्स्ट एसी, दो सेकंड एसी, चार जनरल और आठ स्लीपर कोच शामिल हैं। यात्रियों की संख्या बढ़ने से रेलवे इस ट्रेन को एसी स्पेशल के रूप में संचालित करने का प्रयास कर रहा है।

रोहिणी पुलिस का ऑपरेशन शस्त्र 21 हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार, भारी मात्रा में अवैध हथियार बरामद

नईदिल्ली, एजेंसी। अपने शस्त्र अभियान के तहत रोहिणी पुलिस ने आपराधिक तत्वों पर ताबड़तोड़ कार्रवाई की। 10 थानों व अन्य विशेष सेल की 15 टीमों ने 21 हिस्ट्रीशीटर को गिरफ्तार किया और 11 देसी पिस्तौल व 13 कारतूस के अलावा सात चाकू बरामद किए हैं। लगभग 48 घंटे चले इस अभियान में डेढ़ सौ से अधिक पुलिस के जवान व अधिकारी शामिल हुए। नार्दर्न रेंज के संयुक्त आयुक्त विजय सिंह ने रोहिणी जिला पुलिस की कार्रवाई की प्रशंसा की है। रोहिणी जिला पुलिस उपायुक्त शशांक जायसवाल ने बताया कि संगठित अपराध, सड़क अपराध और हथियारों के अवैध कब्जे की समस्या पर अंकुश लगाने के उद्देश्य के साथ चलाए जा रहे आपरेशन शस्त्र के तहत पुलिस ने 27 व 28 मई को अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई की।

अपराध में सक्रिय 21 हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार किए गए: इस अभियान के तहत क्षेत्र के हिस्ट्री-शीटर्स, भगौड़े और जमानत पर रिहा हुए अपराधियों की स्पेशल चेकिंग और वेरिफिकेशन भी की गई। विशेष अभियान के दौरान शस्त्र अधिनियम के 18 मामले दर्ज किए गए। इस दौरान 11 देसी पिस्तौल, 13 जिंदा कारतूस, सात चाकू और दो मोटरसाइकिल बरामद किए हैं।

काला सागर में तुर्किये के मालवाहक जहाज पर ड्रोन हमला, अंकारा ने दी तनाव बढ़ने की चेतावनी

इस्तांबुल, एजेंसी। काला सागर में तुर्किये के एक मालवाहक जहाज पर हमला हुआ है। इस घटना के कुछ घंटों बाद तुर्किये ने शुक्रवार को युद्ध में शामिल सभी पक्षों को कड़ी चेतावनी दी है। तुर्किये ने कहा है कि सभी पक्ष ऐसे कदम उठाने से बचें जिससे तनाव अनियंत्रित होकर गंभीर रूप से बढ़ जाए। तुर्किये के विदेश मंत्रालय ने जानकारी दी कि वानुअतु के झंडे वाला एक जहाज यूक्रेन के ओडेसा बंदरगाह से सूखा माल लेकर तुर्किये आ रहा था। 28 मई की रात एक मानव रहित विमान (ड्रोन) ने इस जहाज पर हमला कर दिया।

इस हमले में चालक दल के दो तुर्किये नागरिक मामूली रूप से घायल हुए हैं। ओडेसा में तुर्किये का दूतावास घायल नागरिकों की हालत पर लगातार नजर रख रहा है। मंत्रालय ने कहा कि काला सागर में युद्ध की वजह से बढ़ते खतरों को लेकर वह बहुत चिंतित है। तुर्किये ने सभी संबंधित पक्षों को अपनी चिंताओं और चेतावनियों से अवगत करा दिया है। मंत्रालय ने जोर देकर कहा कि काला सागर में आम नागरिकों के जहाजों की सुरक्षा सुनिश्चित करना बहुत जरूरी है। तुर्किये ने बातचीत के जरिए लड़ाई खत्म करने की अपनी मांग को फिर से दोहराया है।

रोमानिया के हवाई क्षेत्र में घुस रूसी ड्रोन, दो घायल: तुर्किये ने यह भी कहा कि वह शांति प्रक्रिया को तेज करने और लड़ाई को रोकने के लिए प्रभावी उपाय करने को तैयार है। इसी बीच, रोमानिया से भी एक बड़ी खबर आई है। रोमानिया के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि एक रूसी ड्रोन उनके हवाई क्षेत्र में घुस गया। यह ड्रोन एक रिहायशी इमारत से टकरा गया, जिससे वहां आग लग गई और दो लोग घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रोमानियाई मंत्रालय के अनुसार, रूस ने रोमानिया की नदी सीमा के पास यूक्रेन के ठिकानों पर फिर से ड्रोन हमले शुरू कर दिए हैं।

गाजियाबाद के रईसपुर में जीडीए का बड़ा एक्शन

गाजियाबाद, एजेंसी। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष के निर्देश पर जीडीए की टीम द्वारा अवैध निर्माण के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। शुक्रवार को प्रभारी प्रवर्तन जोन- तीन के नेतृत्व में रईसपुर में सूर्या गार्डन के पास खसरा संख्या-1277, 1278 व 1279 पर लगभग 4500 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में सतेंद्र सिंह, जयप्रकाश, विजेंद्र व सुमेर सिंह द्वारा कराए जा रहे अवैध निर्माण को ध्वस्त किया गया।

बंगाल के औद्योगिक विकास को मिलेगी नई रफ्तार, शमिक बोले टाटा को सिंगुर में वापस लाने के लिए सरकार गंभीर

कोलकाता, एजेंसी। बंगाल के भाजपा प्रदेश अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य ने शुक्रवार को कहा कि नई भाजपा सरकार टाटा समूह को हुगली के सिंगुर में वापस लाने के लिए पूरी तरह गंभीर है। भट्टाचार्य ने इसे केवल एक आर्थिक जरूरत नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक बेहद मजबूत और सकारात्मक संदेश बताया है कि बंगाल अब निवेश के लिए पूरी तरह तैयार है। मीडिया से बातचीत में उन्होंने स्पष्ट किया कि लगभग दो दशक पहले नैनो परियोजना को जिस तरह राज्य से बाहर जाने पर मजबूर किया गया था, उससे निवेशकों के बीच एक गलत संदेश गया था। उन्होंने कहा कि टाटा मोटर्स को सिंगुर वापस लाकर सरकार उस ऐतिहासिक दाग को धोना चाहती है। भट्टाचार्य ने कहा कि हम चाहते हैं कि टाटा समूह सिंगुर में ही वापसी करे, चाहे वह ऑटोमोबाइल क्षेत्र में हो या किसी अन्य क्षेत्र में। पिछली सरकार की आलोचना करते हुए भट्टाचार्य ने कहा कि उद्योगपतियों से सीधे जमीन खरीदने की पुरानी नीति पूरी तरह व्यावहारिक और दोषपूर्ण थी। नई नीति के आते ही राज्य में बड़े पैमाने पर औद्योगिकीकरण का रास्ता साफ होगा।भाजपा नेता का दावा है कि चुनाव नतीजों के बाद से ही निवेशकों का नजरिया बदलने लगा है। उन्होंने एक उदाहरण देते हुए बताया कि एक बड़े उद्योगपति, जो अपना कारोबार बंगाल से बाहर ले जाने वाले थे, उन्होंने सरकार बदलने के बाद अपना इरादा बदल दिया है। भौगोलिक लाभ और बंदरगाहों की उपलब्धता के कारण बंगाल को 'गेटवे आफ द ईस्ट' बताते हुए उन्होंने वादा किया कि नई सरकार श्रम-प्रधान और पूंजी-प्रधान दोनों उद्योगों के संतुलन के साथ रोजगार के नए अवसर पैदा करेगी।

क्या इस्राइल को देंगे मान्यता पाकिस्तानी रिपोर्टर के सवाल पर इशाक डार का चौंकाने वाला रिएक्शन वीडियो वायरल

वॉशिंगटन, एजेंसी। वॉशिंगटन में पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो के बीच हुई मुलाकात के दौरान एक रिपोर्टर द्वारा पूछे गए सवाल से माहौल गरमा गया। रिपोर्टर ने पाकिस्तान से इस्राइल को मान्यता देने के बारे में सवाल किया। हालांकि, दोनों नेताओं ने ही इसका जवाब नहीं दिया और आगे बढ़ गए। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कई अरब और मुस्लिम देशों से अब्राहम समझौते में शामिल होकर इस्राइल के साथ राजनयिक संबंध स्थापित करने का आग्रह किया था। यह ईरान संघर्ष को खत्म करने की दिशा में एक संभावित सौदे का हिस्सा माना जा रहा है।

बातचीत और बमबारी साथ-साथ दशकों बाद इस्राइल-लेबनान की सीधी सैन्य वार्ता पेंटागन में शांति प्रयासों पर चर्चा

यरुशलम, एजेंसी। इस्राइल और लेबनान के बीच जारी संघर्ष के बीच शुक्रवार को इस्राइली सैनिक दक्षिणी लेबनान के दिब्बीन गांव में दाखिल हो गए। इससे उनका अभियान देश के भीतर और आगे बढ़ गया। इसी दौरान इस्राइली हवाई हमलों में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई। पांच लोगों की मौत देइर कानौन अल नहर और अब्बासियेह गांवों पर हुए हवाई हमले में हुई, जबकि एब्बा गांव में एक नगरपालिका पुलिसकर्मी की जान चली गई। उधर, वॉशिंगटन स्थित पेंटागन में लेबनान और इस्राइल के सैन्य अधिकारियों के बीच दशकों बाद पहली प्रत्यक्ष सैन्य वार्ता हुई। छह सदस्यीय लेबनानी सैन्य प्रतिनिधिमंडल ने इस्राइली अधिकारियों से मुलाकात की। पेंटागन ने वार्ता को सकारात्मक बताया और कहा कि इसमें क्षेत्रीय सुरक्षा व स्थिरता के लिए व्यावहारिक ढांचे तैयार करने पर चर्चा हुई। वार्ता के निष्कर्ष अगले सप्ताह अमेरिकी विदेश विभाग द्वारा राजनीतिक नेताओं के साथ होने वाली बातचीत का आधार बनेंगे।

लेबनान ने क्या मांग रखी: लेबनानी प्रतिनिधिमंडल ने संघर्षविराम को व्यापक रूप से लागू करने और 2024 में अमेरिका की मध्यस्थता से हुए युद्धविराम की निगरानी करने वाली समिति को फिर से सक्रिय करने की मांग रखी। लेबनानी अधिकारियों ने यह भी कहा कि संघर्षविराम के पूर्ण क्रियान्वयन के बाद सीमा पर लेबनानी सेना की तैनाती और दक्षिणी लेबनान से इस्राइली सैनिकों की वापसी जैसे मुद्दों पर बातचीत हो सकती है। लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ औन ने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से फोन पर बातचीत में कहा कि किसी भी अन्य मुद्दे पर आगे बढ़ने से पहले संघर्षविराम का पूरी तरह पालन सुनिश्चित किया जाना चाहिए। इस बीच इस्राइली सेना ने दक्षिणी लेबनान के कई इलाकों के लिए निकासी चेतावनी जारी की, जिसके बाद सैकड़ों परिवारों को सुरक्षित क्षेत्रों में जाना पड़ा।

दक्षिणी लेबनान में संघर्ष जारी: दक्षिणी लेबनान में योहमोर और जवतर अल-शर्कियेह गांवों के आसपास इस्राइली सेना और हिजबुल्लाह लड़ाकों के बीच झड़पें जारी रहीं। हिजबुल्लाह ने दावा किया कि उसके लड़ाकों ने योहमोर के भीतर इस्राइली सैनिकों को निशाना बनाया। ये गांव ऐतिहासिक ब्यूफोर्ट किले के पास स्थित हैं, जो इजरायल-लेबनान सीमा से करीब 15 किलोमीटर दूर है। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने उत्तरी मोर्चे का दौरा करते हुए कहा कि उनकी सेना लितानी नदी पार कर रणनीतिक क्षेत्रों पर नियंत्रण स्थापित कर चुकी है और हिजबुल्लाह को करारा झटका दे रही है। उन्होंने कहा कि इस्राइल बेरूत, बेका घाटी और पूरे मोर्चे पर अभियान चला रहा है।

अमेरिका-ईरान में युद्धविराम को बढ़ाने पर चर्चा: इस बीच अमेरिका और ईरान के वार्ताकारों के बीच गुरुवार को युद्धविराम को 60 दिनों के लिए बढ़ाने और ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर नई वार्ता शुरू करने को लेकर एक प्रारंभिक सहमति बनने की खबर सामने आई। हालांकि ईरान ने इसकी पुष्टि नहीं की है। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने भी एक संभावित समझौते की बात कही, लेकिन यह स्पष्ट नहीं किया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इसे मंजूरी देंगे या नहीं।

हिजबुल्लाह सांसद ने क्या कहा: हिजबुल्लाह सांसद हसन फदलल्लाह ने कहा कि अगर अमेरिका और ईरान के बीच समझौता होता है तो लेबनान में इस्राइली सैन्य कार्रवाई रुक सकती है।

डी-लिस्टिंग और मतांतरण पर पीएम मोदी से मिले आदिवासी नेता, उपराष्ट्रपति को भी ज्ञापन सौंपेगा प्रतिनिधिमंडल

जशपुरनगर, एजेंसी। जनजातीय सुरक्षा मंच के राष्ट्रीय संयोजक गणेश राम भगत के नेतृत्व में आदिवासियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन सौंपा। पीएमओ ने अपने फेसबुक पोस्ट में इस मुलाकात को सार्थक बताया है। वहीं, मुलाकात के दौरान भी प्रधानमंत्री जनजातीय सुरक्षा मंच की मांगों को लेकर सकारात्मक नजर आए। इससे डी-लिस्टिंग आंदोलन से जुड़े आदिवासी नेता उत्साहित हैं। जनजातीय सुरक्षा मंच का लक्ष्य संसद के मानसून सत्र में इन दोनों मांगों को पूरा करने वाले विधेयक को प्रस्तुत कराने के लिए केंद्र सरकार पर दबाव बनाना है। जनजातीय सुरक्षा मंच के रामप्रकाश पांडे ने बताया कि पीएम मोदी के सकारात्मक रवैये से जनजातीय सुरक्षा मंच सहित आदिवासी संगठनों के प्रमुख उत्साहित हैं। उन्होंने बताया कि मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री ने आदिवासियों की समस्याओं, डी-लिस्टिंग और मतांतरण के मुद्दों को पूरी गंभीरता से सुना। इससे संकेत मिलता है कि आने वाले दिनों में केंद्र सरकार आदिवासियों की इन दो प्रमुख मांगों को पूरा करने के लिए कदम अवश्य उठाएगी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और पीएम मोदी को ज्ञापन सौंपने के बाद अब यह प्रतिनिधिमंडल केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात कर उन्हें मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपेगा। उल्लेखनीय है कि 24 मई को दिल्ली के लाल किला मैदान में आयोजित जनजातीय सांस्कृतिक समागम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए थे। अपने संबोधन में शाह ने इस समागम को आदिवासियों का कुंभ बताया था। मुलाकात के दौरान डी-लिस्टिंग और मतांतरण रोधी केंद्रीय कानून को लेकर उनके रुख को अहम माना जा रहा है।

शालीमार गांव में अब लोग खुद तोड़ने लगे अवैध निर्माण, सुप्रीम कोर्ट से याचिका हो चुकी है खारिज

दिल्ली, एजेंसी। शालीमार गांव में राजस्व विभाग के भवन खाली करने के नोटिस से एक दिन पहले शुक्रवार को लोगों ने खुद ही अवैध निर्माण तोड़ने आरंभ कर दिए हैं। अन्यत्र जाने के लिए कुछ लोग अपना सामान समेटते नजर आए। इस साल जनवरी महीने में राजस्व विभाग ने शालीमार गांव के मैक्स अस्पताल रोड के पास बने लगभग 150 घरों को अवैध बताते हुए 30 मई तक जगह खाली करने को कहा था। लोगों ने नोटिस को गलत बताते हुए पहले हाई कोर्ट और अब सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। घर बचाओ समिति के संयोजक मुकेश कुमार पासवान ने बताया कि शुक्रवार को सर्वोच्च न्यायालय हमारी याचिक खारिज कर दी गई। न्यायालय से लोगों को उम्मीद थी, लेकिन वह भी खत्म हो चुकी है। इसलिए लोग यहां से घर छोड़कर जा रहे है।

शिफ्टिंग और खुद ही अवैध निर्माण हटाते नजर आए: आज सुबह से कुछ लोगों को शिफ्टिंग और खुद ही अवैध निर्माण हटाते नजर आए। स्थानीय लोगों ने बताया कि सप्ताहभर से अवैध निर्माण तोड़ने और शिफ्टिंग चल रही है। अब तक 30-40 परिवार अपना सामान लेकर दूसरे क्षेत्रों में चले गए। जबकि बाकी के लोगों को जल्द ही घरों का खाली करना है। कुछ लोग मकान में लगे खिड़कियां व दरवाजे सहित अन्य सामान निकालने में जुटे रहे। स्थानीय निवासी ज्योति ने बताया कि मैं 15 वर्ष से अपने बच्चों और पति के साथ रह रही थी। अब घर छोड़कर जाना पड़ रहा। स्थानीय निवासी मुकेश ने बताया कि सामान लेकर इब्राहिमपुर में किराए के मकान में जा रहा हूं।

ड्रग तस्करी के शक में अमेरिका ने नाव पर किया हमला : तीन की मौत, सैन्य अभियान में हताहतों का आंकड़ा 200 के पार

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सेना ने शुक्रवार को पूर्वी प्रशांत महासागर में ड्रग तस्करी के संदेह में एक नौका पर एक और हमला किया। इस हमले में तीन लोगों की मौत हो गई, जो इस सप्ताह का तीसरा हमला था। इस कार्रवाई के साथ ही इस अभियान में कुल हताहतों का आंकड़ा 200 से अधिक हो गया है। अमेरिकी दक्षिणी कमान ने कैरेबियन सागर और पूर्वी प्रशांत महासागर में संदिग्ध ड्रग नौकाओं के खिलाफ जारी महीनों लंबी कार्रवाई के तहत इस नए हमले का एलान किया। कमान के अनुसार, नौका नशीले पदार्थों की तस्करी में जुड़ी हुई थी और एक बड़े आतंकवादी संगठन द्वारा इस्तेमाल की जा रही थी। हालांकि, इस दावे के समर्थन में कोई सबूत पेश नहीं किया गया। सैन्य सोशल मीडिया घोषणाओं में हमेशा हमलों के वीडियो शामिल होते हैं। हालांकि, यह पहली बार है जब रंगीन फुटेज जारी किया गया है, जो पहले काले और सफेद में आता था। वीडियो में समुद्र में एक छोटी नौका को दिखाया गया है, जिस पर हमला होने के बाद वह आग की लपटों में घिर जाती है।

ईरान से डील को लेकर दुविधा में ट्रंप : परमाणु और होर्मुज संकट पर टली बड़ी घोषणा, अंतिम फैसले का अब भी इंतजार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को व्हाइट हाउस में एक बड़ी बैठक की। यह बैठक सिचुएशन रूम में हुई। इसमें ट्रंप ने अपने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों के साथ चर्चा की। इस बैठक में ईरान के साथ चल रहे तनाव पर बात हुई। दो घंटे की इस बातचीत के बाद भी कोई अंतिम फैसला नहीं हो पाया। दोनों देशों के बीच युद्धविराम बढ़ाने को लेकर बातचीत चल रही है। इसके साथ ही होर्मुज जलमार्ग को फिर से खोलने पर भी चर्चा हो रही है। ईरान ने कहा है कि यह सौदा अभी पक्का नहीं हुआ है। इस बैठक से पहले ट्रंप ने एक बयान दिया। उन्होंने कहा कि वह इस मामले में अंतिम फैसला लेना चाहते हैं।

जनसुविधाओं के विस्तार की दिशा में बड़ा कदम, मझौली में विकास कार्यों का भूमिपूजन

प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के विजन को धरातल पर उतार रहे हैं विकास कार्य: सांसद

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। नगर परिषद मझौली में विकास को नई गति प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए सीधी संसदीय क्षेत्र के सांसद डॉ. राजेश मिश्रा एवं धौहनी विधायक कुँवर सिंह टेकाम ने लगभग 125 लाख रूपये की लागत से प्रस्तावित विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों की उपस्थिति रही भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री क्र नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के विकास की जो गति बनी है, उसी के अनुरूप मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के मार्गदर्शन में अधोसंरचना विकास, जनकल्याण और मूलभूत सुविधाओं के विस्तार पर निरंतर कार्य किया जा

रहा है। उन्होंने कहा कि विकास केवल निर्माण कार्यों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने का माध्यम है। मझौली नगर परिषद क्षेत्र में स्वीकृत ये विकास कार्य नागरिकों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करेंगे तथा क्षेत्र के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे सांसद डॉ. मिश्रा ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की प्राथमिकता अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाना है। सड़क, पेयजल, स्वच्छता, सामुदायिक सुविधाओं एवं नगरीय अधोसंरचना के क्षेत्र में निरंतर निवेश किया जा रहा है, जिससे ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों के बीच विकास का अंतर कम हो रहा है उन्होंने क्षेत्रवासियों को आश्वस्त किया कि सीधी संसदीय क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयास जारी रहेंगे विकास कार्यों से बदलेगी मझौली की तस्वीर, जनता को मिलेगा सीधा लाभ: विधायक क्र टेकाम इस अवसर पर धौहनी विधायक कुँवर सिंह टेकाम ने कहा कि मझौली नगर परिषद में स्वीकृत विकास कार्य क्षेत्र की लंबे समय से चली आ रही आवश्यकताओं को पूरा करने में सहायक होंगे। उन्होंने कहा कि जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप विकास कार्यों को धरातल पर उतारना उनकी प्राथमिकता है। नगर परिषद क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार से नागरिकों को बेहतर जीवन सुविधाएं प्राप्त होंगी तथा क्षेत्र के विकास को नई दिशा मिलेगी विधायक क्र टेकाम ने कहा कि प्रदेश सरकार गरीब, किसान, युवा और महिलाओं के कल्याण के लिए अनेक योजनाएं संचालित कर रही है। विकास कार्यों के माध्यम से स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे और क्षेत्र की सामाजिक-आर्थिक प्रगति को बल मिलेगा। उन्होंने नागरिकों से विकास कार्यों में सहयोग एवं सहभागिता की अपील भी की कार्यक्रम में नगर परिषद के अध्यक्ष शंकर प्रसाद गुप्ता, उदयभान यादव, डॉ. देवेंद्र त्रिपाठी, जिला महामंत्री लोरिक यादव, अखिलेश पांडेय, प्रवीण तिवारी, लवकेश सिंह, रामसखा शर्मा सहित जनप्रतिनिधि प्रशासनिक अधिकारी, पार्टी एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे कार्यक्रम के दौरान जनप्रतिनिधियों ने क्षेत्रवासियों से संवाद कर उनकी समस्याएं भी सुनीं तथा विकास कार्यों के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की भूमिपूजन के साथ ही मझौली नगर परिषद क्षेत्र में विकास की एक नई शुरुआत का संदेश दिया गया जिससे स्थानीय नागरिकों में उत्साह का वातावरण देखने को मिला।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर जागरूकता रैली एवं संगोष्ठी का आयोजन 31 मई को

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। तंबाकू सेवन से होने वाली गंभीर एवं जानलेवा बीमारियों के प्रति आमजन, विशेषकर युवाओं और विद्यार्थियों को जागरूक करने के उद्देश्य से विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर 31 मई 2026 को जिला मुख्यालय सीधी में विविध जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे उप संचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य तंबाकू एवं तंबाकू उत्पादों के सेवन से होने वाले कैंसर, टीबी, हृदय रोग श्वसन संबंधी बीमारियों सहित अन्य स्वास्थ्य दुष्प्रभावों के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना तथा लोगों को नशामुक्त एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है कार्यक्रम के तहत प्रात: 7:30 बजे से 8:00 बजे तक जागरूकता रैली का आयोजन किया जाएगा रैली पूजा पार्क से प्रारंभ होकर गांधी चौक तक जाएगी तथा पुन: पूजा पार्क स्थित गायत्री मंदिर परिसर में समाप्त होगी रैली के माध्यम से तंबाकू सेवन के दुष्परिणामों और नशामुक्त समाज के संदेश को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा जागरूकता रैली में पुलिस विभाग स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग नगरीय निकाय, जन अभियान परिषद, ब्रह्मकुमारी संस्था, गायत्री परिवार तथा राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (एनयूएलएम) की महिला सदस्यों सहित विभिन्न विभागों एवं सामाजिक संस्थाओं की सक्रिय सहभागिता रहेगी इसके अलावा संजय गांधी महाविद्यालय कन्या महाविद्यालय उत्कृष्ट विद्यालय तथा अन्य शैक्षणिक संस्थाओं के एनसीसी एवं एनएसएस के छात्र-छात्राएं भी बड़ी संख्या में शामिल होंगे रैली के उपरांत प्रात: 8:00 बजे से 9:00 बजे तक गायत्री मंदिर परिसर में संगोष्ठी, प्रेरक गीत एवं भजन कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे कार्यक्रम में स्वास्थ्य विशेषज्ञों एवं वक्ताओं द्वारा तंबाकू सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों तथा नशामुक्त जीवन के महत्व पर प्रकाश डाला जाएगा जिला प्रशासन ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे इस जनजागरूकता अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लें तथा तंबाकू मुक्त, स्वस्थ और जागरूक समाज के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं।

प्लास्टिक मुक्त सीधी अभियान को मिली नई गति, पथ विक्रेताओं को किया गया जागरूक

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर विकास मिश्रा के निर्देशन तथा डिप्टी कलेक्टर एवं परियोजना अधिकारी शहरी विकास अभिकरण प्रिया पाठक के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (एनयूएलएम) एवं राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) की संयुक्त टीम द्वारा नगर क्षेत्र में सिंगल यूज़ प्लास्टिक के उपयोग को रोकने एवं प्लास्टिक मुक्त सीधी अभियान को प्रभावी बनाने के उद्देश्य से पथ विक्रेताओं के साथ व्यापक जनजागरूकता संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया अभियान के दौरान पथ विक्रेताओं को सिंगल यूज़ प्लास्टिक के उपयोग से पर्यावरण, मानव स्वास्थ्य तथा स्वच्छता व्यवस्था पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों की विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही उन्हें प्लास्टिक के स्थान पर कपड़े के थैले, कागज, जूट तथा अन्य पर्यावरण अनुकूल वैकल्पिक सामग्रियों के उपयोग के लिए प्रेरित किया गया कार्यक्रम में पथ विक्रेताओं को प्लास्टिक मुक्त सीधी अभियान के उद्देश्य एवं महत्व से अवगत कराते हुए अपील की गई कि वे सिंगल यूज़ प्लास्टिक का उपयोग पूरी तरह बंद करें तथा स्वच्छ, सुंदर और पर्यावरण हितैषी सीधी के निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएं। उन्हें यह भी बताया गया कि छोटे-छोटे व्यवहारिक बदलाव पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़ा योगदान दे सकते हैं प थ विक्रेताओं ने भी इस पहल का स्वागत करते हुए प्लास्टिक के विकल्पों को अपनाने तथा अपने ग्राहकों और आम नागरिकों को भी पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया। इस जनजागरूकता गतिविधि के माध्यम से स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण एवं जनसहभागिता को बढ़ावा देने का सार्थक प्रयास किया गया।

लोक संस्कृति की रंगत से सराबोर हुआ समापन समारोह, छात्राओं ने बघेली लोकधारा की बिखेरी अनुपम छटा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार की गुरु-शिष्य परंपरा योजना के अंतर्गत आयोजित 15 दिवसीय नि:शुल्क ग्रीष्मकालीन लोकगीत एवं लोकनृत्य प्रशिक्षण शिविर का भव्य समापन समारोह सांदीपनि शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, सीधी में उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। समारोह में छात्राओं ने बघेलखंड की समृद्ध लोक परंपराओं को मंच पर जीवंत कर उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ इसके पश्चात छात्राओं ने लोक संस्कृति पर आधारित मनोहारी प्रस्तुतियों से समापन समारोह को यादगार बना दिया कोहरौहीं गाथा गायन की सुमिरनी,स्वागत गीत गइलहाई गीत दादरा लोकनृत्य अहिराई लाठी लोकनृत्य, सइला जनजातीय नृत्य एवं वक्तृत्व कला की प्रभावशाली प्रस्तुतियों ने दर्शकों की भरपूर सराहना प्राप्त की। विशेष रूप से दादरा, अहिराई और सइला नृत्य की प्रस्तुति ने बघेलखंड की सांस्कृतिक विरासत को सजीव रूप में मंच पर प्रस्तुत किया यह प्रशिक्षण शिविर 10 मई से 25 मई 2026 तक आयोजित किया गया जिसमें छात्राओं को लोकगीत लोकनृत्य, वक्तृत्व कला एवं चित्रकला सहित विभिन्न सांस्कृतिक विधाओं का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। शिविर का उद्देश्य नई पीढ़ी को अपनी लोक परंपराओं से जोड़ना तथा उनमें सांस्कृतिक चेतना का विकास करना रहा समापन समारोह के मुख्य अतिथि धनंजय मिश्र, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी रहे। विशिष्ट अतिथियों के रूप में विनय मिश्र प्रांजल (डीपीसी) डॉ. राजेश पाण्डेय (बीआरसी) बाबूलाल कुंदेर एवं मानिंद शेर अली खान उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता आरती पाण्डेय, प्राचार्य सांदीपनि शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ने की अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि लोक कला और लोक संस्कृति किसी भी समाज की पहचान होती है। ऐसे प्रशिक्षण शिविर न केवल सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, बल्कि युवा पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने का भी कार्य करते हैं।

उन्होंने छात्राओं की प्रतिभा, अनुशासन एवं सांस्कृतिक अभिरुचि की सराहना करते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं शिविर के निर्देशक रोशनी प्रसाद मिश्र रहे, जबकि कार्यशाला की परिकल्पना नीरज कुंदेर द्वारा की गई थी। प्रशिक्षण सत्रों में रोशनी प्रसाद मिश्र ने बघेली लोकगीत एवं दादरा नृत्य, रजनीश कुमार जायसवाल ने अहिराई लाठी लोकनृत्य, प्रजीत कुमार साकेत ने सइला जनजातीय नृत्य, आकांक्षा त्रिपाठी ने वक्तृत्व कला तथा क्रकांत सिंह ने चित्रकला का प्रशिक्षण प्रदान किया। कार्यशाला का सफल संयोजन शक्ति क्रवास्तव द्वारा किया गया।

सीधी के जंगलों में वन्यजीवों को मिलेगी राहत, 45 डिग्री में पानी का संकट होगा दूर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी वन मंडल में भीषण गर्मी के बीच वन्यजीवों को पानी उपलब्ध कराने के लिए वन विभाग ने 34 कच्चे सोसर (जल संरचनाओं) का निर्माण कराया है। इस पहल से जंगल में रहने वाले जानवरों को बढ़ते तापमान में राहत मिलेगी। वन मंडल सीधी के बरमबाबा बीट अंतर्गत ग्राम बहेरहा क्षेत्र में हाल ही में एक नए सोसर का निर्माण किया गया इन दिनों क्षेत्र में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के आसपास है जिससे प्राकृतिक जल स्रोत तेजी से सूख रहे हैं कई छोटे तालाब और नाले पानी की कमी से प्रभावित हैं जिसके कारण वन्यजीवों को पानी की तलाश में भटकना पड़ रहा है इस समस्या की गंभीरता को देखते हुए वन विभाग ने जंगल के विभिन्न हिस्सों में ये कच्चे सोसर तैयार किए हैं इन स्थानों पर नियमित रूप से पानी भरने की व्यवस्था की जाएगी। इसका मुख्य उद्देश्य वन्यजीवों को उनके प्राकृतिक आवास में ही पानी उपलब्ध कराना है ताकि वे आबादी वाले क्षेत्रों की ओर न जाएं और मानव-वन्यजीव संघर्ष की स्थिति को कम किया जा सके बरमबाबा बीट का जंगल शेर भालू सियार सहित कई अन्य वन्यजीवों का महत्वपूर्ण आवास है गर्मी के दिनों में इन जानवरों के लिए पानी की उपलब्धता बनाए रखना वन विभाग की एक बड़ी जिम्मेदारी है विभाग के इस प्रयास को वन्यजीव संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है वनपाल पंकज मिश्रा ने जानकारी दी कि वन परिक्षेत्र में कुल 34 सोसरों का निर्माण किया गया है इन सभी स्थानों पर समय-समय पर पानी भरने और उनकी निगरानी की व्यवस्था भी की जा रही है जिससे गर्मी के दौरान वन्य प्राणियों को पानी की कमी से जूझना न पड़े।

वृद्धाश्रम में सजा सेवा और संवेदना का संगम, स्वास्थ्य शिविर में वृद्धजनों को मिली समग्र स्वास्थ्य देखभाल

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा संचालित कैलाश स्वर्ण वृद्ध आश्रम, सीधी में शनिवार को स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन कर वृद्धजनों के स्वास्थ्य एवं कल्याण के प्रति संवेदनशील पहल की गई। शिविर में आश्रम में निवासरत बुजुर्गों के साथ-साथ आसपास के क्षेत्र के लगभग 25 ग्रामीण वृद्धजनों का भी स्वास्थ्य परीक्षण किया गया स्वास्थ्य शिविर में मिश्रा नर्सिंग होम की विशेषज्ञ टीम ने डॉ. अनूप मिश्रा एवं डॉ. बीना मिश्रा के नेतृत्व में वृद्धजनों की स्वास्थ्य जांच की। शिविर के दौरान शुगर, ब्लड प्रेशर सहित विभिन्न सामान्य एवं उम्रजनित स्वास्थ्य समस्याओं की जांच कर आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया गया। जरूरतमंद वृद्धजनों को नि:शुल्क दवाइयों का वितरण भी किया गया, जिससे उन्हें त्वरित

स्वास्थ्य लाभ मिल सके शिविर केवल स्वास्थ्य परीक्षण तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसमें सेवा और संवेदना का भाव भी देखने को मिला। इस अवसर पर डॉ. अनूप मिश्रा एवं डॉ. बीना मिश्रा ने वृद्धजनों को फल वितरित कर उनके स्वस्थ, सुखद एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। वहीं वरिष्ठ समाजसेवी क्रमती आशा मिश्रा ने आश्रमवासियों को बेडशीट प्रदान कर सामाजिक सरोकारों का परिचय दिया वृद्धजनों की शारीरिक सक्रियता और जीवन गुणवत्ता को बेहतर बनाने के उद्देश्य से जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र की टीम ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। केंद्र के सीनियर फिजियोथैरेपिस्ट डॉ. दीपक त्रिपाठी एवं ट्रांस-डिसिप्लिनरी विशेष शिक्षक शिवांशु शुक्ला द्वारा वृद्धजनों का फिजियोथैरेपी मूल्यांकन कर आवश्यक परामर्श प्रदान किया गया कार्यक्रम में सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी धनंजय मिश्रा, विभागीय कर्मचारी चंद्र प्रताप तिवारी एवं सूरज सिंह सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। ग्राम पंचायत पनवार चौहानन टोला के सरपंच एवं भूतपूर्व सरपंच ने भी कार्यक्रम में सहभागिता करते हुए वृद्धजनों के स्वास्थ्य एवं कल्याण के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की वृद्धाश्रम के कर्मचारियों के सहयोग से आयोजित यह स्वास्थ्य शिविर बुजुर्गों के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा, सम्मान और सामाजिक सहभागिता का एक सशक्त माध्यम बना शिविर के सफल आयोजन पर वृद्धजनों ने चिकित्सकों समाजसेवियों जनप्रतिनिधियों एवं विभागीय अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए ऐसे आयोजनों को नियमित रूप से आयोजित किए जाने की अपेक्षा व्यक्त की।

50 लीटर डीजल न देने पर युवक पेट्रोल पंप संचालक को मिली जान से मारने की धमकी

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। भारत पेट्रोलियम के डीलर मो. नादिर खान। भारत पेट्रोलियम के डीलर मो. नादिर खान शहडोल जिले के जैतपुर थाना क्षेत्र के कमता में एक पेट्रोल पंप संचालक को धमकी देने और ब्लैकमेल करने का मामला सामने आया है। डीजल की मांग को लेकर हुए इस विवाद के बाद संचालक ने पुलिस से सुरक्षा और कार्रवाई की मांग की है। ारत पेट्रोलियम के डीलर मो. नादिर खान ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वर्तमान में डीजल और पेट्रोल का स्टॉक सीमित है। शुक्रवार रात जब कमता निवासी प्रतीक बरगाही उर्फ सिब्बू बरगाही पंप पर पहुंचा, तो उसने कर्मचारियों पर ज्यादा डीजल देने का दबाव बनाया स्टॉक कम होने के कारण जब कर्मचारियों ने मना किया, तो युवक ने उनके साथ गाली-गलौज और अभद्र व्यवहार शुरू कर दिया।

ब्लैकमेलिंग और जान से मारने की धमकी:

संचालक का आरोप है कि आरोपी युवक ने घटना का वीडियो बना लिया और अब उसे वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल कर रहा है। शिकायत के अनुसार, युवक ने 50 लीटर डीजल की मांग की और मांग पूरी न होने पर पंप में आग लगाने, पंप बंद करवाने और पुलिस में शिकायत करने पर बंदूक से हमला करने की धमकी दी है युवक 50 लीटर डीजल देने की मांग कर रहा था युवक 50 लीटर डीजल देने की मांग कर रहा था सुरक्षा को लेकर चिंतित संचालक मो. नादिर खान ने आवेदन में कहा है कि रात के समय वह और उनके बेटे पंप पर रहते हैं, ऐसे में आरोपी की धमकियों से उनका पूरा परिवार डरा हुआ है। उन्होंने पुलिस से सुरक्षा की मांग करते हुए आरोपी के खिलाफ सख्त कानूनी कदम उठाने का आग्रह किया है।

विकसित सीधी 2047 : युवा संवाद, चुनौतियाँ और समाधान युवाओं की सोच से आकार ले रहा है विकसित सीधी 2047

पथरौला में युवा संवाद, मेधावी विद्यार्थियों एवं समाजसेवियों का सम्मान, मिलेट फेस्टिवल ने जोड़ा स्वास्थ्य और आत्मनिर्भरता का संदेश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले के मझौली विकासखंड स्थित शासकीय सांदीपनि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पथरौला में शुक्रवार को आयोजित ष्विकसित सीधी 2047 रू युवा संवाद, चुनौतियाँ और समाधानष् कार्यक्रम केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि जिले के भविष्य को युवाओं की दृष्टि से समझने और गढ़ने की एक सार्थक पहल के रूप में सामने आया। यह पहल विकसित भारत 2047, विकसित मध्यप्रदेश 2047 और विकसित सीधी 2047 के संकल्प को जनभागीदारी के माध्यम से मूर्त रूप देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है युवा वर्ष 2047 के भारत का नेतृत्व करेगा। ऐसे में उसकी सोच, आकांक्षाओं चुनौतियों और सुझावों को

विकास की मुख्यधारा से जोड़ना आवश्यक है इसी उद्देश्य से जिला प्रशासन ने युवाओं विद्यार्थियों जनप्रतिनिधियों समाजसेवियों और प्रशासनिक अधिकारियों को एक साझा मंच प्रदान किया जहां संवाद के माध्यम से विकास की दिशा और दशा पर खुलकर चर्चा हुई कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने विधायक धौहनी कुंवर सिंह टेकाम एवं कलेक्टर विकास मिश्रा से शिक्षा, रोजगार, कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा, खेल सुविधाओं, अधोसंरचना और जिले के समग्र विकास से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण प्रश्न सीधे पूछे। जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए उन्हें केवल दर्शक नहीं, बल्कि विकसित सीधी के सक्रिय भागीदार बनने का संदेश दिया संवाद के दौरान यह स्पष्ट रूप से सामने आया कि जिले के युवा केवल अवसरों की प्रतीक्षा नहीं कर रहे हैं, बल्कि वे विकास प्रक्रिया में अपनी भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं उनके सुझावों और विचारों ने यह विश्वास मजबूत किया कि सीधी का भविष्य नवाचार सहभागिता और सकारात्मक सोच पर आधारित होगा इस अवसर पर प्रदेश की प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त करने वाले मझौली एवं कुसमी विकासखंड के मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। साथ ही समाजसेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों को भी सम्मानित कर समाज निर्माण में उनके योगदान को सराहा गया यह सम्मान समारोह युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत बना जिसने यह संदेश दिया कि शिक्षा, सेवा और समर्पण ही समाज की वास्तविक पूंजी हैं कार्यक्रम का एक विशेष और भावनात्मक पहलू कलेक्टर विकास मिश्रा की कक्षा पाँचवीं में अध्ययनरत पुत्री दिवा मिश्रा के विचारों का साझा किया जाना रहा एक बालिका की सरल संवेदनशील और दूरदर्शी सोच ने उपस्थित विद्यार्थियों को गहराई से प्रभावित किया इससे यह संदेश उभरकर सामने आया कि बड़े सपने देखने और समाज के लिए सोचने की कोई आयु नहीं होती।

आदिवासी बस्ती को सड़क नहीं,ग्रामीण बोले- पंचायत ने दूसरी जगह बनवाई महिलाओं ने किया विरोध

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले की मझौली जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत सिरौला के ग्राम सिरौली में विकास कार्यों पर सवाल उठे हैं वार्ड क्रमांक-14 की आदिवासी बस्ती में लगभग 250 लोग रहते हैं लेकिन वहां आवागमन के लिए अब तक कोई उचित सड़क नहीं बन पाई है ग्रामीणों का आरोप है कि जहां सड़क की सबसे अधिक आवश्यकता है वहां निर्माण न कराकर पंचायत प्रतिनिधि और अधिकारी दूसरी जगह पीसीसी सड़क बनवा रहे हैं। पंचायत द्वारा लगभग 300 मीटर लंबी पीसीसी सड़क का निर्माण किया जा रहा है,जिसका लाभ वास्तविक जरूरतमंदों को नहीं मिलेगा इसी बात को लेकर ग्रामीणों और आदिवासी महिलाओं ने निर्माण कार्य का विरोध किया और काम रुकवा दिया। स्थिति इतनी तनावपूर्ण हो गई कि मौके पर पुलिस को बुलाना पड़ा। ग्रामीण शिवेंद्र तिवारी ने बताया कि वे सड़क निर्माण के विरोधी नहीं हैं, बल्कि चाहते हैं कि सड़क वहीं बने जहां लोगों को उसकी आवश्यकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि पंचायत ने जनहित की अनदेखी कर मनमाने ढंग से निर्माण कार्य शुरू कराया है वार्ड क्रमांक-14 के पंच श्रीनिवास कुशवाहा ने भी पंचायत की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। उनके अनुसार, उन्होंने ग्रामसभा में सुझाव दिया था कि सड़क का निर्माण ऐसे स्थान पर हो जिससे अधिक से अधिक लोगों को लाभ मिले। हालांकि, सरपंच रैना द्विवेदी और सचिव अंबुज द्विवेदी ने इस सुझाव को नजरअंदाज कर दिया। उन्होंने पंचायत प्रतिनिधियों पर मिलीभगत का भी आरोप लगाया।

जवाबदेही का अभाव

संपादकीय

सुप्रीम कोर्ट ने नीट पेपर लीक मामले में जवाबदेही तय करने पर जोर दिया, जिससे 22 लाख से अधिक छात्र प्रभावित हुए हैं। नीट प्रकरण की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने यह बिल्कुल सही कहा कि इस परीक्षा के पेपर लीक होने पर जवाबदेही तय हो। यदि ऐसा नहीं होता तो यह दुर्भाग्यपूर्ण ही होगा, क्योंकि नीट के पेपर लीक होने के कारण 22 लाख से अधिक छात्र दोबारा परीक्षा देने के लिए विवश हैं। पेपर लीक के कारण छात्रों को परेशानी उठाने के साथ ही उनके भरोसे को भी ठेस पहुंची है। इसके अतिरिक्त शिक्षा मंत्रालय भी सवालों के घेरे में आया है। सुप्रीम कोर्ट ने मेडिकल कालेजों में प्रवेश की परीक्षा आयोजित करने वाली संस्था एनटीए यानी नेशनल टेस्टिंग एजेंसी को संघ लोक सेवा आयोग अर्थात यूपीएससी से सीख लेने को भी कहा। कायदे से तो इस नसीहत की जरूरत ही नहीं पड़नी चाहिए थी। एनटीए को तो यह सीख स्वतः लेनी चाहिए थी और शिक्षा मंत्रालय को देखना चाहिए था कि ऐसा हो। आखिर इस एजेंसी का गठन ही इसलिए किया गया था, ताकि वह नीर-क्षीर ढंग से परीक्षाएं आयोजित करा सके। यह शर्मनाक है कि इस मामले में एनटीए का रिकार्ड अच्छा नहीं रहा। यह एक तथ्य है कि पहले भी नीट के आयोजन में गड़बड़ी हो चुकी है और मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच चुका है। यह निराशाजनक है कि एनटीए के कामकाज में सुधार के लिए गठित राधाकृष्णन समिति की सिफारिशों को प्राथमिकता के आधार पर लागू नहीं किया गया। शायद इसी का दुष्परिणाम रहा कि नीट के पेपर लीक हो गए।

आखिर जब राधाकृष्णन समिति ने अक्टूबर 2024 में ही अपनी सिफारिशें सौंप दी थीं तो उन सभी पर द्रुत गति से अमल क्यों नहीं किया गया? इस समिति ने यह पाया था कि एनटीए अपने तमाम काम आउटसोर्स करती है और उसके अधिकांश कर्मचारी संविदा पर हैं। उसने कंप्यूटर आधारित परीक्षाएं कराने को भी कहा था। समझना कठिन है कि इस स्थिति को बदला क्यों नहीं जा सका? आखिर ऐसी किसी संस्था के गठन का क्या औचित्य, जो अपना काम अपने स्तर पर करने में सक्षम न हो? एनटीए को नीट जैसी परीक्षाएं कराने के लिए अपना तंत्र उसी तरह विकसित करना चाहिए था, जैसे रेल मंत्रालय के आरआईटीईएस यानी राइट्स ने, शहरी विकास मंत्रालय के एनबीसीसी ने, रिजर्व बैंक एवं भारतीय बैंक संघ के तहत एनपीसीआइ ने या फिर इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अधीन भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण ने किया है। आज के युग में कोई भी संस्था हो, उसका हर तरीके से दक्ष होना आवश्यक ही नहीं, अनिवार्य है। सभी संस्थाओं और खासकर एनटीए को तो आधुनिक तकनीक से भी लैस होना चाहिए था और इसमें उसकी मदद के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय को आगे आना चाहिए था।

क्या क्षेत्रीय दलों का दौर अब ढलान पर है?

श्याम यादव

पश्चिम बंगाल के राजनीतिक परिणाम के बाद देश की राजनीति एक बार फिर अपने बदलते स्वरूप को लेकर चर्चा में है। क्षेत्रीय दलों की भूमिका और उनकी राजनीतिक पकड़ को लेकर नए सिरे से सवाल उठने लगे हैं कि क्या भारतीय राजनीति धीरे-धीरे राष्ट्रीय दलों के केंद्र में सिमटती जा रही है।

भारतीय राजनीति में क्षेत्रीय दलों की भूमिका लंबे समय तक निर्णायक रही है। एक समय ऐसा था जब केंद्र की सत्ता तक पहुँचने के लिए किसी भी राष्ट्रीय दल को क्षेत्रीय दलों के समर्थन की जरूरत पड़ती थी। गठबंधन सरकारों का दौर इसकी सबसे बड़ी मिसाल रहा है।

नब्बे के दशक से लेकर दो हजार के शुरुआती वर्षों तक तेलुगू देशम पार्टी, द्रमुक, अन्नाद्रमुक, समाजवादी दल, वामपंथी दल, जनता दल और अन्य क्षेत्रीय ताकतें केंद्र की राजनीति का संतुलन तय करती थीं। उस समय सरकारें अक्सर क्षेत्रीय सहयोग के आधार पर ही खड़ी होती थीं।

लेकिन पिछले एक दशक में यह राजनीतिक समीकरण तेजी से बदलता दिखाई दिया है। भाजपा के लगातार विस्तार ने कई राज्यों में क्षेत्रीय दलों की स्थिति को प्रभावित किया है। महाराष्ट्र, बिहार, पंजाब और असम जैसे राज्यों में राजनीतिक समीकरण बदले हैं और कई क्षेत्रीय दल या तो कमजोर हुए हैं या सीमित प्रभाव तक सिमट गए हैं।

एक समय अकाली दल, शिवसेना, जनता दल यूनाइटेड, असम गण परिषद, द्रमुक, अन्नाद्रमुक, तृणमूल कांग्रेस और आम आदमी पार्टी जैसी क्षेत्रीय ताकतें राष्ट्रीय राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती थीं। लेकिन आज इनकी भूमिका अधिकतर राज्य स्तर तक सीमित होती दिखाई दे रही है।

भाजपा का विस्तार केवल हिंदी पट्टी तक सीमित नहीं रहा है, बल्कि उसने पूर्वोत्तर और पश्चिम भारत के कई राज्यों में भी मजबूत उपस्थिति दर्ज की है। दूसरी ओर कांग्रेस भी अपने संगठन को पुनर्गठित करने की कोशिश में जुटी है, जिससे राजनीतिक प्रतिस्पर्धा अधिकतर दो राष्ट्रीय ध्रुवों के बीच केंद्रित होती दिखाई दे रही है।

हालाँकि इसका यह अर्थ नहीं है कि क्षेत्रीय दल पूरी तरह समाप्त हो गए हैं। तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और कुछ अन्य राज्यों में क्षेत्रीय दल अभी भी मजबूत स्थिति में हैं। दक्षिण भारत में क्षेत्रीय पहचान, भाषा और स्थानीय मुद्दों का प्रभाव आज भी राजनीति को गहराई से प्रभावित करता है।

इसके बावजूद राष्ट्रीय स्तर पर क्षेत्रीय दलों की वह निर्णायक भूमिका, जो कभी गठबंधन सरकारों के दौर में दिखाई देती थी, अब पहले जैसी नहीं रही है।

इन परिस्थितियों को देखते हुए यह कहा जा सकता है कि देश धीरे-धीरे दो प्रमुख राजनीतिक ध्रुवों की दिशा में बढ़ रहा है, जहाँ एक ओर भाजपा और दूसरी ओर कांग्रेस प्रमुख केंद्र के रूप में उभर रही हैं। क्षेत्रीय दल या तो इन दोनों में से किसी एक धुरी के साथ जुड़ते नजर आ सकते हैं या फिर अपने-अपने राज्यों तक सीमित रह सकते हैं।

हालाँकि भारत जैसे विविधताओं वाले देश में पूरी तरह दो दलीय व्यवस्था स्थापित हो जाएगी, यह कहना अभी जल्दबाजी होगी। भारतीय राजनीति का इतिहास बताता है कि यहाँ समीकरण तेजी से बदलते रहे हैं।

कभी कांग्रेस का एकछत्र प्रभाव था, फिर गठबंधन युग आया और अब भाजपा का विस्तार दिखाई दे रहा है। ऐसे में यह स्पष्ट है कि राजनीति एक स्थिर ढांचे में नहीं रहती, बल्कि लगातार परिवर्तनशील रहती है।

बंगाल का हालिया राजनीतिक परिदृश्य केवल एक राज्य की घटना नहीं है, बल्कि यह उस व्यापक परिवर्तन का संकेत भी है जो भारतीय राजनीति के स्वरूप को नए तरीके से परिभाषित कर रहा है। आने वाले समय में यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या भारत वास्तव में दो ध्रुवों की राजनीति की ओर बढ़ता है या फिर क्षेत्रीय दल एक बार फिर किसी नए राजनीतिक संतुलन की नींव रखते हैं।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

त्रिभाषा फार्मूला है भारत की शिक्षा का नया क्षितिज

भारत केवल एक राष्ट्र नहीं, बल्कि भाषाओं, बोलियों, संस्कृतियों और परंपराओं का विराट संगम है। यहां भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि पहचान, संस्कृति, संवेदना और सामाजिक चेतना का आधार भी है। ऐसे बहुभाषी देश में शिक्षा व्यवस्था को किस भाषा में संचालित किया जाए और बच्चों को कौन-कौन सी भाषाएं पढ़ाई जाएं, यह प्रश्न लंबे समय से बहस और राजनीति का विषय रहा है। इसी संदर्भ में 'त्रिभाषा फार्मूला' भारतीय शिक्षा व्यवस्था की एक महत्वपूर्ण अवधारणा के रूप में सामने आया। आज नई शिक्षा नीति-2020 और सीबीएसई के ताजा निर्णय ने इसे नए स्वरूप में पुन: प्रासंगिक बना दिया है। नौवीं कक्षा में दो भारतीय भाषाओं को अनिवार्य करने का निर्णय केवल एक शैक्षिक सुधार नहीं, बल्कि भारत की भाषाई आत्मा को मजबूत करने का दूरदर्शी प्रयास है। त्रिभाषा फार्मूला मूलत: 1964-66 के कोठारी आयोग की देन है। इसका उद्देश्य था कि भारत के छात्र तीन भाषाएं सीखें-पहली मातृभाषा या क्षेत्रीय भाषा, दूसरी हिंदी या अन्य भारतीय भाषा तथा तीसरी अंग्रेजी। इस व्यवस्था के पीछे भावना यह थी कि देश के विभिन्न भाषाई समुदायों के बीच संवाद, समझ और राष्ट्रीय एकता को बढ़ाया जाए।

ललित गर्ग

'त्रिभाषा फार्मूला' का उद्देश्य ही था कि उत्तर भारत के बच्चे दक्षिण भारत की कोई भाषा सीखें और दक्षिण भारत के विद्यार्थी हिंदी से परिचित हों। किंतु दुर्भाग्य से यह नीति अपने मूल उद्देश्य के अनुरूप सफल नहीं हो सकी। इस असफलता के पीछे सबसे बड़ा कारण राजनीतिक विवाद और भाषाई असंतुलन रहा। विशेषकर दक्षिण भारत, खासकर तमिलनाडु में इसे 'हिंदी थोपने' के प्रयास के रूप में देखा गया। वहां यह भावना बनी कि केंद्र सरकार हिंदी को राष्ट्रभाषा के नाम पर क्षेत्रीय भाषाओं पर वर्चस्व दिलाना चाहती है। दूसरी ओर उत्तर भारत ने भी त्रिभाषा फार्मूले की आत्मा को गंभीरता से नहीं अपनाया। यहां अधिकांश राज्यों ने तीसरी भाषा के रूप में किसी दक्षिण भारतीय भाषा को अपनाने के बजाय संस्कृत को शामिल कर औपचारिकता पूरी कर ली। परिणाम यह हुआ कि जिस पारस्परिक भाषाई संवाद एवं सौहार्द की कल्पना की गई थी, वह विकसित नहीं हो सका। आज भी स्थिति यह है कि उत्तर भारत के अधिकांश निजी विद्यालयों में बच्चों को अंग्रेजी के साथ फ्रेंच, जर्मन, स्पेनिश और जापानी जैसी विदेशी भाषाएं पढ़ाई जाती हैं, लेकिन भारतीय भाषाओं की उपेक्षा की जाती है। कई प्रतिष्ठित स्कूलों में हिंदी तक को गौण बना दिया गया है। यह विडंबना ही है कि विदेशी भाषाएं आधुनिकता और प्रतिष्ठा का प्रतीक मानी जाती हैं, जबकि अपनी मातृभाषा या भारतीय भाषाएं 'अतिरिक्त बोझ' बताई जाती हैं। यह मानसिकता भारतीय भाषाओं के प्रति हीनभावना को दर्शाती है। आश्चर्य है कि दो-तीन विदेशी भाषाएं पढ़ना अभिभावकों को अपने बच्चों पर अतिरिक्त बोझ नहीं लगता, लेकिन अपनी मातृभाषा और भारतीय भाषाएं सीखने के नाम पर वे सड़कों पर उतरने के लिए तैयार हैं। यह अनुचित है। सरकार को किसी भी हालत में झुकना नहीं चाहिए।

त्रिभाषा फार्मूला भारतीय भाषाओं विशेषतः हिंदी को प्रोत्साहन देने की दृष्टि से अत्यंत उपयोगी और प्रासंगिक है। यह केवल भाषा सीखने की नीति नहीं, बल्कि भारत की भाषाई एकता और सांस्कृतिक सौहार्द को मजबूत करने का माध्यम है। इस व्यवस्था से उत्तर भारत के विद्यार्थी दक्षिण भारतीय भाषाओं से परिचित होंगे और दक्षिण भारत के विद्यार्थी हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषाओं को समझ सकेंगे, जिससे भाषाई दूरी और क्षेत्रीय संकीर्णता कम होगी। साथ ही मातृभाषा आधारित शिक्षा बच्चों की समझ, संवेदनशीलता और अभिव्यक्ति क्षमता को भी विकसित करती है। आज वैश्वीकरण के दौर में विदेशी भाषाओं का ज्ञान उपयोगी अवश्य है, लेकिन अपनी भाषाओं की उपेक्षा किसी भी राष्ट्र के सांस्कृतिक आत्मविश्वास को कमजोर करती है। इसलिए त्रिभाषा फार्मूला भारतीय भाषाओं को सम्मान देने, हिंदी को संपर्क भाषा के रूप में मजबूत बनाने तथा भारत की बहुभाषी सांस्कृतिक चेतना को सुदृढ़ करने की दिशा में एक दूरदर्शी और आवश्यक पहल है।

सीबीएसई और केंद्र सरकार का ताजा निर्णय इसी मानसिकता को बदलने का प्रयास है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अंतर्गत यह स्पष्ट किया गया है कि बच्चों द्वारा चुनी गई तीन भाषाओं में कम-से-कम दो भारतीय भाषाएं होंगी। यह व्यवस्था किसी भाषा को थोपने की नहीं, बल्कि भारतीय भाषाओं को सम्मान और अवसर देने की नीति है। नई शिक्षा नीति का सबसे सकारात्मक पक्ष इसका लचीलापन है। इसमें किसी राज्य या विद्यार्थी पर कोई विशेष भाषा अनिवार्य नहीं की गई। छात्र अपनी रुचि और क्षेत्रीय आवश्यकता के अनुसार भाषा चुन सकते हैं।

यह दृष्टिकोण पहले की तुलना में अधिक व्यावहारिक और लोकतांत्रिक है। त्रिभाषा फार्मूले की सबसे बड़ी उपयोगिता राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक समन्वय में दिखाई देती है। भाषा मनुष्य को केवल शब्द नहीं देती, बल्कि सोचने का तरीका, संस्कृति का बोध और समाज की संवेदनाएं भी प्रदान करती है। जब उत्तर भारत का छात्र तमिल, तेलुगु, मलयालम या कन्नड़ सीखेगा और दक्षिण भारत का छात्र हिंदी या अन्य उत्तर भारतीय भाषाओं को समझेगा, तब दोनों के बीच मानसिक दूरी स्वतः कम होगी। इससे भाषाई वैमनस्य और क्षेत्रीय संकीर्णता कमजोर होगी। भारत की विविधता को समझने और स्वीकारने की दृष्टि विकसित होगी। इसके अतिरिक्त बहुभाषी शिक्षा बच्चों के बौद्धिक विकास के लिए भी लाभकारी मानी गई है। यूनेस्को सहित अनेक अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की रिपोर्टें बताती हैं कि बहुभाषी बच्चे अधिक रचनात्मक, विश्लेषणात्मक और संवेदनशील होते हैं। मातृभाषा में प्रारंभिक शिक्षा मिलने से बच्चों की अवधारणात्मक समझ मजबूत होती है और उनका आत्मविश्वास बढ़ता है। यही कारण है कि विकसित देशों जैसे- जापान, चीन, फ्रांस, जर्मनी और रूस ने अपनी शिक्षा और प्रशासन को अपनी भाषाओं में संचालित किया और विज्ञान-तकनीक में अभूतपूर्व प्रगति की। भारत में भी यदि भारतीय भाषाओं को शिक्षा और ज्ञान-विज्ञान का माध्यम बनाया जाए तो शिक्षा अधिक व्यापक और समावेशी बन सकती है। हालांकि त्रिभाषा फार्मूले को लागू करने में कुछ व्यावहारिक चुनौतियां भी हैं। सबसे बड़ी समस्या प्रशिक्षित शिक्षकों की कमी है। यदि उत्तर भारत के स्कूलों में तमिल या तेलुगु पढ़ाई जानी है तो उसके लिए योग्य शिक्षकों और पाठ्य सामग्री की आवश्यकता होगी। इसी प्रकार दक्षिण भारत में हिंदी शिक्षण के लिए पर्याप्त संसाधन चाहिए। दूसरी चुनौती विद्यार्थियों पर अतिरिक्त शैक्षणिक दबाव की है। कई अभिभावकों को आशंका है कि तीन भाषाएं सीखने से बच्चों पर बोझ बढ़ेगा और उनके परीक्षा परिणाम प्रभावित होंगे। लेकिन यह चिंता तब कम हो जाती है जब सरकार स्पष्ट करती है कि तीसरी भाषा का पाठ्यक्रम हल्का होगा, बोर्ड परीक्षा में उसे शामिल नहीं किया जाएगा और उसका मूल्यांकन आंतरिक होगा।भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने त्रिभाषा फार्मूले को अधिक लचीले और व्यावहारिक स्वरूप में लागू करने पर बल दिया, ताकि भारत की भाषाई विविधता को सम्मान मिले और विद्यार्थियों में बहुभाषी क्षमता विकसित हो।' भारत में करोड़ों लोग रोजगार, व्यवसाय और सामाजिक संपर्क के कारण स्वाभाविक रूप से अनेक भाषाएं सीख लेते हैं। इसलिए भारतीय भाषाओं को बोझ बताना उचित नहीं कहा जा सकता। नई शिक्षा नीति का यह प्रयास इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह भारतीय भाषाओं को पुनः सम्मान देने की दिशा में कदम है। लंबे समय तक अंग्रेजी को आधुनिकता और सफलता का पर्याय मान लिया गया। परिणामस्वरूप भारतीय भाषाओं में ज्ञान-सृजन और उच्च शिक्षा का विकास बाधित हुआ। यह भी आवश्यक है कि त्रिभाषा फार्मूले को राजनीतिक विवाद का विषय न बनाया जाए। भाषा किसी पर थोपने की वस्तु नहीं, बल्कि जोड़ने का माध्यम होनी चाहिए। यह नीति तभी सफल होगी जब इसमें पारस्परिकता, संवेदनशीलता और संतुलन रहेगा। अंततः कहा जा सकता है कि त्रिभाषा फार्मूला केवल भाषा शिक्षण की नीति नहीं, बल्कि भारतीय बहुलता को एकसूत्र में पिरोने का राष्ट्रीय अभियान है। नई शिक्षा नीति-2020 ने इसे अधिक लचीला, व्यावहारिक और समावेशी बनाकर नई आशा जगाई है। यदि इसे ईमानदारी, दूरदृष्टि और संतुलन के साथ लागू किया जाए तो यह भारत को भाषाई संघर्षों से निकालकर सांस्कृतिक समन्वय, राष्ट्रीय एकता और ज्ञान-समृद्धि की नई दिशा दे सकता है। भारतीय भाषाओं को सम्मान देना दरअसल भारत की आत्मा को सम्मान देना है।

घुमंतू जातियों में अहिल्याबाई की सफल सोशल इंजीनियरिंग

यदि हम भारत की वीर, आध्यात्मिक, शासक, योद्धा, समाज सुधारक, क्रांतिकारी, चिंतक-विचारक, स्थापत्य विशेषज्ञ, राष्ट्रवादी, महिलाओं की चर्चा करें तो कदाचित् हमें हजारों, लाखों मातृ शक्ति की एक सूची बनानी पड़ेगी। किंतु, उपरोक्त सभी गुण किसी एक स्त्री में देखने की दृष्टि का मापदंड यदि हम लगायेंगे, तो संभवत: एक ही नाम सामने आएगा। और, वह नाम होगा, पुण्यश्लोक, लोकमाता, देवी अहिल्याबाई का। अहिल्याबाई में उपरोक्त लिखित सभी गुण एकसाथ विद्यमान थे। संक्षेप में अहिल्या बाई गुणों की एक अनहद खान थी।

डॉ. प्रवीण दाताराम गुगनानी

वह कालखंड बड़ा ही भयंकर व भयावह था जब माता अहिल्या ने शासन की बागडोर अपने हाथों में ली थी। उस समय उनका राज्य विदेशी शक्तियों के अतिरिक्त आंतरिक शत्रुओं से भी भरा पड़ा था। उस समय में मालवा में चहुँओर अशांति का, हाहाकार का वातावरण बना हुआ था। मालवा, मराठों, राजपूतों के कई-कई छत्रप, योद्धा, सूबेदार, सेनापति आदि मालवा की गद्दी पर अहिल्या बाई को विराजित होने से रोकने हेतु कई-कई दुरभिसंधियां कर रहे थे। होलकर परिवार की बहू देवी अहिल्या के सिंहासन पर बैठने के पूर्व का घटनाक्रम कोई सरल, सहज व सीधा-सीधा नहीं था। कई चाले चली गई, कई भीतरी वार हुए, कई षड्यंत्र हुए, कई संघर्ष हुए, कई विरोधाभास हुए। अहिल्याबाई के कई अपने सगे, सम्बंधी, शुभचिंतक भी अपनेपन का चोला पहनाकर शत्रुओं के खेमे आते-जाते दिखे।

उस कालखंड में मध्यप्रदेश के निमाड़ से लेकर मालवा एवं मालवा से लेकर सुदूर राजस्थान तक मुगलों व अंग्रेज़ों के षड्यंत्रों के कारण बड़ी संख्या में विवशता से जातियां अपराधी हो गईं थीं। अंग्रेज अपनी सैन्य शक्ति से जिस क्षेत्र को चाहते उसे कब्ज़ा लेते, वहाँ के संसाधनों पर कब्ज़ा करके उनका मनमाना दोहन करते व वहां के अंग्रेज विरोधी मूल निवासियों को वहाँ से पलायन हेतु विवश कर देते थे। इस क्षेत्र की गोंड, भील, रामोशी जैसी वनवासी जनजाति के लोग जो अपनी शुचिता, श्रम, रचनात्मकता, उत्पादकता, प्रकृति पूजक के रूप में जाने जाते थे वे लोग विदेशी आक्रांताओं के कारण चोर-डकैत कहलाने लगे थे। अंग्रेजों की परतंत्रता को अस्वीकार्य करने वाले इन वीर जनजातीय की समूची जातियों के बाल, आबाल, वृध्दों, निराश्रितों, निःशक्तों को भी शासकीय रूप से अपराधी जाति घोषित कर दिया जाता था। परिस्थिति यह बन गई थी कि ये बेचारे वनवासी बंधु दिन में वनों में ही छिपे रहते थे व बेबस होकर अपने बच्चों व आश्रितों का पेट पालने हेतु अपराध करने लगे थे। इतिहास साक्षी है कि भगवान बड़ादेव या फड़ापेन या महादेव की अनन्य भक्त ये वनवासी बंधु घोर प्रकृति पूजक थे। भारत की वन्य संपदा इन वनवासी बंधुओं के दम पर ही फलती-फूलती थी व भारत को धन-धान्य से लबालब भर देती थी। विदेशी मुस्लिम व ईसाई आक्रांताओं के कारण अब सामाजिक परिदृश्य यह बना कि ये बलिष्ठ व श्रमशील जातियां अपराधी बन गईं। ये लूटपाट करने लगे। मार्गों में यात्रियों का यात्रा करना दूभर हो गया। कौन जाने कब किस मार्ग में ये लुटेरे आ जाएँ और यात्रियों का सबकुछ लूटकर ले जाएँ। लूटने के अतिरिक्त इनमें से कुछ वनवासियों ने आजीविका हेतु एक नई शैली भी अपना ली थी, इसके अन्तर्गत वे वनों के भीतर से निकलने वाले मार्गों के यात्रियों से एक प्रकार का कर वसूलते थे जिसे 'भील कौड़ी' कहा जाता था। वनवासी इस कर की वसूली सख़्ती से करते थे व न देने पर यात्रियों के साथ दुर्व्यवहार करते व दंड देते थे। इस भयपूर्ण वातावरण में लोकमाता अहिल्या ने इस समस्या के मूल को समझा और जाना।

अहिल्या बाई केवल एक महारानी या राजा ही नहीं थी। उनके मानस में एक कुशल नीति-निर्माता बसा हुआ था। इसी का परिणाम था कि एक उनके दरबार में किसी अंग्रेज हथियार विक्रेता के आने पर अहिल्या बाई ने उनसे केवल तीन बंदूकें ख़रीदी। उस समय उनके दरबार में बैठे सभी राज दरबारी व वह अंग्रेज व्यापारी भी आश्चर्यचकित किंतु दुखी हो उठा कि इतने बड़े राज्य की महारानी ने उनसे केवल तीन बंदूकें ही खरीदी। तब जब राज्य की सुरक्षा हेतु आवश्यकता सैकड़ों बन्दूकों की थी तब तीन बंदूक खरीदना भला किसे अच्छा निर्णय लगता?! किंतु अहिल्याबाई के मानस में तो जैसे एक कुशल व्यापारी भी बैठा रहता था। उन्होंने मात्र तीन बंदूकें क्रय करके अपने राज्य के भील समाज के लोहारों की बैठक बुलाई व गुप्त रूप से बड़े पैमाने पर ऐसी बंदूकें बनाने की चुनौती उनके समक्ष रख दी। भील लोहार समाज ने भी महारानी की इस चुनौती को स्वीकारा व उन्हें निराश नहीं होने दिया। उन्होंने बाद में अपने राज्य की स्वयं की टकसाल (मिंट) भी बनवाई थी जहां उनकी राजमुद्रा की ढलाई की जाती थी। अपने इन कार्यों से महारानी ने दोहरे लक्ष्य साधे थे, एक तो उनके राज्य का धन बाहरी राज्यों में जाने से बच जाता था और दूसरा लाभ यह था कि इस माध्यम से उन्होंने लूट-पाट व अपराधी प्रवृत्ति वाले समाजों को रचनात्मकता में लगाकर उनका जीवन बदल दिया था। लोकमाता अहिल्या बाई के कार्यकाल में अपराधी जातियां उत्पादक जातियों में परिवर्तित होकर समाज में सम्मानजनक रूप से अपना जीवन यापन करने लगी थी।

लोकमाता ने इन वनवासी बंधुओं से जिन्हें अपराधी जाति कहा जाने लगा था, उन्हें सम्मानपूर्वक अपने राज दरबार में आमंत्रित कर उनसे संवाद किया। वे एक बड़ी सोशल इंजीनियरिंग की योजना पर काम कर रहीं थीं, यह उसका एक भाग था। बहुत से जनजातीय समूह राज दरबार में आये और महारानी से संतुष्ट हुए। कुछ समूह जो महारानी के राज दरबार में नहीं आये व उनकी अवज्ञा की उनसे भी लोकमाता अहिल्या ने कोई दुर्व्यहार नहीं किया और ना ही उन्हें दंडित किया, बल्कि वे स्वयं वनों में जाकर उनसे मिलीं और उनके पुनर्वास हेतु उन्हें समझाया और संतुष्ट किया। जो महारानी के समझाने से नहीं समझें उन्हें बंदी बनाकर बंदीगृह में लाया गया। बंदीगृह में भी उन्हें पहले दंडित नहीं करके, पुनः समझाया बुझाया गया और सद्मार्ग पर चलने हेतु प्रवचन सत्रों में बैठाया गया। इस प्रकार इन जबरन अपराधी घोषित कर दी गई जातियों के बंधुओं पर लोकमाता ने एक बड़ी सोशल इंजीनियरिंग की योजना चलाई थी व इन्हें ठीक किया था। माता अहिल्या इन बलिष्ठ, श्रमशील, प्रकृति के विशेषज्ञ, औषधियों व वनोपजों के विशेषज्ञों के गुणों का उपयोग करने की एक बड़ी योजना पर काम कर रहीं थीं। अंततः लोकमाता ने इन अपराधी जातियों को अपने राज्य में बसाया, इन्हें अभयदान दिया और इन्हें सरंक्षित किया। इन अहिल्या सरंक्षित जनजातियों ने मालवा की वन संपदा को सरंक्षित किया और उसे विकसित किया। कालांतर में बहुत से बलिष्ठ लुटेरे व डकैत महारानी की सेना में नियुक्त हुए व अपनी राज्य निष्ठा सिद्ध करके बड़े-बड़े सैन्य पदों पर आसीन हुए। इन वनवासी बाहुबलियों के दम पर महारानी ने अपनी सैन्य शक्ति को द्विगुणित कर लिया था। इस प्रकार एक बड़ी नकारात्मक शक्ति को लोकमाता ने अपनी स्वप्नशील व संकल्पशील कर्मण्यता से रचनात्मक शक्ति में परिवर्तित कर दिया था। जिस सोशल इंजीनियरिंग को अब जाना-पहचाना जाने लगा है और विदेशी शिक्षा को इसका जनक माना जाता है वह सोशल इंजीनियरिंग माता अहिल्या ने आज से सैकड़ों वर्ष पूर्व भारत में कर दी थी। वस्तुतः यह सोशल इंजीनियरिंग हमारें रामायण, महाभारत से लेकर वैदिक साहित्य में अनेक स्थानों पर देखने-पढ़ने को मिलती है। लोकमाता अहिल्या अपने धार्मिक, वैदिक साहित्य की साधना, पठन-पाठन व मनन से ही यह सब दुर्लभ्य व दुर्लक्ष्य कार्यों को कर पाई थीं।

स्वच्छता से समृद्धि की राह: अब घर-घर होगा कचरे का पृथक्करण

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 पर जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित, कलेक्टर ने कहा- स्वच्छता को बनाएं जन आंदोलन

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर जिला स्तरीय एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया कार्यशाला में अधिकारियों कर्मचारियों तथा पंचायत प्रतिनिधियों को नए नियमों जिम्मेदारियों और कचरा प्रबंधन की वैज्ञानिक पद्धतियों की जानकारी दी गई। कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए कलेक्टर सुश्री संतान देवी जांगड़े ने कहा कि स्वच्छता केवल प्रशासनिक जिम्मेदारी नहीं बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि स्वच्छ वातावरण स्वस्थ समाज और बेहतर भविष्य के लिए लोगों को अपनी आदतों में बदलाव लाना होगा। कचरे का उचित निपटान और पृथक्करण समय की आवश्यकता है। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण)

के जिला सलाहकार राजेश जैन ने नियम-2026 के प्रमुख प्रावधानों पर विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि अब घरों में गीला, सूखा, सैनिटरी तथा जोखिमपूर्ण कचरे का पृथक्करण अनिवार्य होगा। इसके साथ ही कचरे के वैज्ञानिक प्रबंधन, पुनर्चक्रण (रीसाइक्लिंग) और पर्यावरण संरक्षण पर विशेष जोर दिया जाएगा।

कलेक्टर ने कहा कि पर्यटन स्थलों एवं सार्वजनिक स्थानों पर फेंकी जाने वाली प्लास्टिक और कांच की बोतलें पर्यावरण तथा पशुओं के लिए गंभीर खतरा बन रही हैं। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे कचरा फेंकने से पहले अपनी जिम्मेदारी समझें और स्वच्छता को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाएं जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी अंकिता सोम ने कहा कि स्वच्छता किसी एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि जीवनशैली है। उन्होंने प्रतिभागियों से गांव-गांव जाकर लोगों को जागरूक करने और कचरा पृथक्करण को जन आंदोलन का रूप देने का आग्रह किया जिला पंचायत उपाध्यक्ष राजेश साहू ने प्लास्टिक कचरे के वैज्ञानिक निपटान के लिए रीसाइक्लिंग केंद्रों की स्थापना तथा हाट-बाजारों में ई-रिक्शा आधारित कचरा संग्रहण व्यवस्था विकसित करने का सुझाव दिया कार्यशाला में बताया गया कि नियम-2026 के तहत खुले में कचरा फेंकने और जलाने पर प्रतिबंध रहेगा। डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण को बढ़ावा दिया जाएगा तथा उपयोगकर्ता शुल्क और दंडात्मक प्रावधान भी लागू होंगे बड़े संस्थानों के लिए पंजीयन और वार्षिक अपशिष्ट प्रबंधन रिपोर्ट प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा अधिकारियों ने कहा कि ठोस अपशिष्ट प्रबंधन केवल सफाई तक सीमित नहीं है, बल्कि यह संसाधनों के पुन: उपयोग रोजगार सृजन और पर्यावरण संरक्षण से भी जुड़ा हुआ है। जनभागीदारी और सामूहिक प्रयासों से ही स्वच्छ, स्वस्थ और पर्यावरण अनुकूल एमसीबी जिले का निर्माण संभव होगा।

ग्वालियर से आए 10 टैंकर शहर में पानी देंगे: मोटर खराब होने से समस्या, लोगों को होने लगी थी परेशानी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मड़ीखेड़ा जलावर्धन योजना की मोटर खराब होने के कारण उत्पन्न पेयजल संकट से निपटने के लिए प्रशासन और भाजपा ने प्रयास तेज कर दिए हैं पिछले छह दिनों से मड़ीखेड़ा से जलापूर्ति बाधित होने के बाद शहर में गहराए जल संकट को देखते हुए शनिवार से ग्वालियर से बुलाए गए बड़े टैंकरों के माध्यम से पानी की आपूर्ति शुरू कर दी गई है नगर पालिका ने ग्वालियर से कुल 10 बड़े पानी के टैंकर बुलाए हैं। इनमें 24 हजार लीटर क्षमता के 8 टैंकर और 12 हजार लीटर क्षमता के 2 टैंकर शामिल हैं इन टैंकरों ने शनिवार से शहर के सम्पवेलों को भरना शुरू कर दिया है जिससे पानी की टंकियां भरकर घरों तक नलों के माध्यम से जलापूर्ति सुनिश्चित की जा सके। इसी क्रम में भाजपा ने भी जल संकट से राहत दिलाने के लिए 10 ट्रैक्टर-टैंकरों को सेवा में लगाया है इन टैंकरों के माध्यम से उन बस्तियों और क्षेत्रों में पानी पहुंचाया जाएगा जहां पाइपलाइन या नलों के जरिए पानी नहीं पहुंच पा रहा है नगर पालिका के अधिकारियों के अनुसार, मड़ीखेड़ा डेम पर लगी तीन मोटरों में से एक पहले से ही खराब थी। अब दूसरी मोटर भी खराब हो जाने से जलापूर्ति बुरी तरह प्रभावित हुई है वर्तमान में, एक मोटर के सहारे शहर तक पानी पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि खराब मोटर की मरम्मत का कार्य प्रगति पर है और इसे कुछ दिनों में फिर से चालू होने की उम्मीद है मड़ीखेड़ा से जलापूर्ति बाधित होने के कारण शहर की लगभग ढाई लाख आबादी प्रभावित हुई है भीषण गर्मी और 42 डिग्री सेल्सियस से अधिक तापमान के बीच लोगों को पानी की भारी किल्लत का सामना करना पड़ रहा था प्रशासन और भाजपा द्वारा शुरू की गई इन वैकल्पिक व्यवस्थाओं से अब शहरवासियों को कुछ राहत मिलने की उम्मीद है।

एनएचएम कर्मचारियों को मिलेगा 6 लाख रुपये का नि:शुल्क लाइफ इंश्योरेंस कवर

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अंतर्गत कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने की दिशा में स्वास्थ्य विभाग ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है राज्य शासन ने एनएचएम कर्मचारियों के हित में बैंक ऑफ इंडिया के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) निष्पादित किए जाने की अनुमति प्रदान की है। इस निर्णय के तहत उन एनएचएम अधिकारियों एवं कर्मचारियों को 6 लाख रुपये का नि:शुल्क लाइफ टर्म इंश्योरेंस कवर उपलब्ध कराया जाएगा, जिनका वेतन खाता बैंक ऑफ इंडिया में संचालित है। यह बीमा सुविधा सामान्य मृत्यु की स्थिति में कर्मचारियों के नामांकित परिजनों

को आर्थिक सहायता प्रदान करेगी स्वास्थ्य विभाग के अनुसार इस योजना के संचालन से राज्य सरकार अथवा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन पर किसी प्रकार का अतिरिक्त वित्तीय भार नहीं पड़ेगा बैंक ऑफ इंडिया द्वारा प्रस्तावित बीमा सुविधा पूरी तरह नि:शुल्क होगी तथा इसके साथ बैंक की अन्य सुविधाएं भी पात्र कर्मचारियों को उपलब्ध कराई जाएंगी स्वास्थ्य मंत्री ने इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि एनएचएम के हजारों अधिकारी एवं कर्मचारी स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं ऐसे में उनकी सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता है उन्होंने कहा कि यह निर्णय कर्मचारियों और उनके परिवारों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करेगा तथा विपरीत परिस्थितियों में उन्हें संबल मिलेगा गौरतलब है कि इस नई व्यवस्था से प्रदेशभर में कार्यरत एनएचएम कर्मचारियों को अतिरिक्त सामाजिक सुरक्षा का लाभ मिलेगा जिससे उनके मनोबल में वृद्धि होगी और वे अधिक समर्पण के साथ स्वास्थ्य सेवाओं का संचालन कर सकेंगे। सरकार के इस निर्णय को कर्मचारियों के कल्याण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

अमृतधारा से उठा स्वच्छता और हरियाली का जनसंदेश कलेक्टर एवं जिला अधिकारियों ने किया श्रमदान

'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत हुआ पौधरोपण ईंधन बचत, पर्यावरण संरक्षण और जनभागीदारी का दिया संदेश

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर अमृतधारा पर्यटन स्थल शनिवार को स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रेरक अभियान का केंद्र बना। कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े के नेतृत्व में जिला प्रशासन, जनप्रतिनिधियों स्वच्छता ग्राही समूह की महिलाओं ग्रामीणों एवं पर्यटकों ने सामूहिक श्रमदान कर स्वच्छता का संदेश दिया तथा 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत पौधरोपण कर प्रकृति और मातृत्व के प्रति सम्मान व्यक्त किया अक्सर बड़ी संख्या में पर्यटकों के आगमन से यहां प्लास्टिक कचरा और अन्य अपशिष्ट जमा हो जाते हैं, जिससे प्राकृतिक सौंदर्य प्रभावित होता है।

इसी को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने स्वच्छता अभियान चलाया। अधिकारियों और ग्रामीणों ने स्वयं झाड़ू उठाकर परिसर की सफाई की और लोगों को स्वच्छ पर्यटन का संदेश दिया कार्यक्रम का विशेष आकर्षण 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान रहा, जिसके तहत सिंदूर, जामुन, आंवला, कटहल, अमरूद और गुलमोहर के पौधे लगाए गए। उपस्थित लोगों ने अपनी माताओं के सम्मान में पौधरोपण कर उनके संरक्षण का संकल्प लिया। यह पहल पर्यावरण संरक्षण और भावनात्मक जुड़ाव का सुंदर उदाहरण बनी श्रमदान के बाद जिला पंचायत सीईओ अंकिता सोम शर्मा ने सभी को स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई। उन्होंने जल संरक्षण, सिंगल यूज प्लास्टिक के बहिष्कार तथा कचरा पृथक्करण की आवश्यकता पर बल दिया। इस अभियान की एक अनूठी पहल ईंधन संरक्षण भी रही। कलेक्टर के नेतृत्व में सभी प्रशासनिक अधिकारी अलग-अलग वाहनों के बजाय एक ही बस में अमृतधारा पहुंचे। इससे ईंधन की बचत और कार्बन उत्सर्जन में कमी का संदेश दिया गया अधिकारियों ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण की शुरुआत स्वयं के व्यवहार में बदलाव से होती है। अमृतधारा में आयोजित यह कार्यक्रम स्वच्छता, हरियाली, ईंधन संरक्षण और जनभागीदारी का उत्कृष्ट उदाहरण बनकर उभरा तथा समाज को प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी निभाने की प्रेरणा दे गया।

आवारा कुत्ते के हमले में ढाई साल की बच्ची घायल, बचाने पहुंचे लोगों और राहगीर को भी काटा

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शहर में शनिवार को एक आवारा कुत्ते ने ढाई साल की बच्ची सहित तीन लोगों पर हमला कर उन्हें घायल कर दिया यह घटना महल के पीछे स्थित लक्ष्मीबाई कॉलोनी रोड पर हुई मोहित कुशवाह ने बताया कि उनकी ढाई वर्षीय बहन निकिता कुशवाह घर के बाहर खेल रही थी। तभी एक काले रंग के आवारा कुत्ते ने उस पर हमला कर दिया। कुत्ते ने बच्ची के मुंह को अपने जबड़ों में जकड़ लिया, जिससे उसके चेहरे पर गंभीर चोटें आईं परिजनों और आसपास के लोगों ने प्रयासों के बाद बच्ची को कुत्ते के चंगुल से छुड़ाया इस दौरान बचाव करने पहुंचे एक व्यक्ति को भी कुत्ते ने काट लिया।

सुशासन तिहार में दिव्यांगों के चेहरों पर लौटी मुस्कान बड़गांवखुर्द शिविर में बांटे गए श्रवण यंत्र और छड़ियां, जरूरतमंदों को मिला सहारा

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत विकासखंड भरतपुर की ग्राम पंचायत बड़गांवखुर्द में आयोजित जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर ने ग्रामीणों के लिए राहत और भरोसे का केंद्र बनकर उभरा। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया और विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी प्राप्त की शिविर में समाज कल्याण विभाग की विशेष सहभागिता रही। विभाग के सहायक संचालक ने ग्रामीणों को वृद्धावस्था पेंशन, निराश्रित विधवा पेंशन, दिव्यांगजन सहायता योजनाओं सहित अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने पात्र हितग्राहियों से योजनाओं का लाभ लेने का आग्रह किया।

दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण मिलते ही शिविर का सबसे प्रेरणादायक क्षण देखने को मिला। समाज कल्याण विभाग द्वारा चिन्हित दिव्यांगजनों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप श्रवण यंत्र (हियरिंग एड) और छड़ियां प्रदान की गईं। उपकरण मिलने पर कई लाभार्थियों के चेहरे खुशी से खिल उठे उपकरण प्राप्त करने वालों ने शासन और जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि ऐसे शिविरों से जरूरतमंदों तक योजनाओं का लाभ सीधे पहुंच रहा है सहायक संचालक ने कहा कि सुशासन तिहार का उद्देश्य शासन और जनता के बीच की दूरी समाप्त करना है। दिव्यांगजनों, वरिष्ठ नागरिकों और कमजोर वर्ग के लोगों को योजनाओं का लाभ समय पर उपलब्ध कराना विभाग की प्राथमिकता है शिविर में विभिन्न विभागों ने स्टॉल लगाकर आवेदन स्वीकार किए और कई समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया। शेष मामलों को समय-सीमा में निपटाने के लिए संबंधित विभागों को प्रेषित किया गया। इस अवसर पर जिला एवं विकासखंड स्तर के अधिकारी जनप्रतिनिधि, पंचायत प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

लक्ष्य से डेढ़ गुना अधिक खरीदा सरकारी गेहूं:1.26 क्विंटल गेहूं रिजेक्ट होने से किसानों का 691 करोड़ का भुगतान अटका

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम समर्थन मूल्य गेहूं खरीदी पूरी हो चुकी है जिले में इस बार लक्ष्य से डेढ़ गुना ज्यादा खरीदी हुई है तीन लाख 94 हजार मीट्रिक टन गेहूं खरीदी का लक्ष्य रखा गया था, जिसके मुकाबले 5 लाख 83 हजार मीट्रिक टन से ज्यादा गेहूं की खरीदी हुई है जबकि 20दिन देरी से गेहूं खरीदी शुरू हुई थी वहीं रिजेक्शन का आंकड़ा भी बढ़ा है। 1 लाख 26 हजार 249 क्विंटल यानी 12,625 मीट्रिक टन गेहूं अमानक (नॉन एफएक्यू) खरीद लिया गया एफसीआई ने उसे अमान्य कर दिया जिससे अब किसानों का 691 करोड़ रुपए भुगतान अटक गया है जिससे अब खरीदें गेहूं की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो गए है समर्थन मूल्य पर खरीदी करने वाली समिति, समूह और सर्वेयरों की कार्यप्रणाली भी घटघरे के घेरे में है जिला उपार्जन समिति सदस्य एवं नॉन का जिला प्रबंधक सुरेश सनखेरे का कहना है कि नॉन एफएक्यू मॉल को ठीक करने के खर्च शासन नहीं उठाएगा समितियों को ही उस खर्च

को वहन करना पड़ेगा रिजेक्शन की एक वजह समिति समूह की मनमानी भी है जिन्होंने नियमों से हटकर परिसर में करने के बजाय सीधे वेयरहाउस के अंदर खरीदी की। सर्वेयरों के साथ मिलकर गुणवत्ता को भी नजर अंदाज किया और अमानक गेहूं खरीदा।

समर्थन मूल्य का भुगतान, बोनस का नहीं: समर्थन मूल्य पर गेहूं बेचने वाले किसानों को 1507 करोड़ 64 लाख का भुगतान होना है लेकिन अभी तक 947 करोड़ 51 लाख का भुगतान हुआ है। 560 करोड़ 13 लाख का भुगतान होना शेष है। लेकिन इसमें कई किसानों को बोनस का भुगतान नहीं हुआ है किसान अशोक दीवान, रजत दुबे ने बताया शासन ने 2585 रुपए समर्थन मूल्य और 40 रुपए राज्य शासन ने बोनस तय किया था। ऐसे 2625 रुपए प्रति क्विंटल किसानों को मिलना है। लेकिन भुगतान 2585 रुपए के हिसाब से हुआ।

सरकारी और निजी गोदाम भी हुए फुल: लक्ष्य से ज्यादा खरीदी होने से जिले के सभी सरकारी और निजी गोदाम भी फुल हो गए हैं। वेयर हाउसिंग कार्पोरेशन के जिला प्रबंधक वासुदेव दावंडे ने बताया कि जिले के सरकारी गोदाम में 14 हजार 740 मीट्रिक टन रखा गया है। जबकि निजी गोदाम में तीन हजार 54 मीट्रिक टन, स्टील साइलो प्लांट में 13 हजार 870 मीट्रिक टन गेहूं रखा गया है। जबकि एफसीआइ के गोदाम में 35 हजार मीट्रिक टन गेहूं पहुंचा है। जिले के गोदाम में चार लाख 18 हजार 246 मीट्रिक टन गेहूं रखा गया है।

पिछोर धरना विवाद में कांग्रेस ने एफआईआर की मांग उठाई,मारपीट के आरोपियों पर कार्रवाई नहीं होने का आरोप, एसपी को सौंपा ज्ञापन

मीडिया ऑडीटर,शिवपुरी (निप्र)। पिछोर के धरना स्थल पर हुए कथित उपद्रव और मारपीट मामले को लेकर जिला कांग्रेस अध्यक्ष मोहित अग्रवाल, पिछोर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अनिल गुप्ता सहित कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने शनिवार को पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने 27 मई को हुई घटना में शामिल नामजद आरोपियों के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज करने की मांग की कांग्रेस ने आरोप लगाया कि 27 मई को नवीन नगर परिषद भवन पिछोर के पास चल रहे उनके शांतिपूर्ण धरना प्रदर्शन में कुछ लोग घुस आए थे। इन लोगों ने धरना स्थल पर मौजूद कांग्रेस कार्यकर्ताओं और आमजन के साथ मारपीट कर उपद्रव किया। घटना के दौरान, लगभग 10 से 12 बाइकों पर सवार 25 से 30 लोग पहुंचे थे। उनके हाथों में लाठी-डंडे और प्लास्टिक पाइप थे, जिनका इस्तेमाल उन्होंने मारपीट के लिए किया कांग्रेस द्वारा पुलिस को दी गई शिकायत में मंगल लोधी (राजपुर कछौआ) सुनील लोधी (राजापुर सेमरी) आजाद लोधी (बैसोरा) सौरव लोधी (रमपुरा अछरौनी) जीवन लोधी (रमपुरा) असवेन्द्र लोधी (भरतपुर), कपूर लोधी (कुचलौन) और आकाश लोधी (मनगुली) सहित अन्य लोगों के नाम आरोपी के तौर पर दिए गए हैं जिलाध्यक्ष बोले- पिछोर में भय का माहौल जिला कांग्रेस अध्यक्ष मोहित अग्रवाल ने इस दौरान कहा कि कांग्रेस पिछोर में जनता की समस्याओं को लेकर आवाज उठा रही है, लेकिन सत्ता में बैठे लोग इस आवाज को दबाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले दो वर्षों में पिछोर विधानसभा क्षेत्र में भय का माहौल बना दिया गया है। अग्रवाल ने पुलिस पर नामजद आवेदन देने के बावजूद अब तक कोई कार्रवाई न करने का आरोप लगाया।

सुशासन तिहार में गूंजा नशा मुक्त भारत का संकल्प विश्व तंबाकू निषेध दिवस के पूर्व बड़गांवखुर्द जिला स्तरीय शिविर में हुआ विशेष आयोजन

ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने ली नशामुक्ति की शपथ, स्वस्थ समाज निर्माण का दिया संदेश

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत विकासखंड भरतपुर की ग्राम पंचायत बड़गांवखुर्द में आयोजित जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर में शनिवार को नशामुक्त समाज के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई आगामी 31 मई को मनाए जाने वाले विश्व तंबाकू निषेध दिवस तथा देशव्यापी नशामुक्त भारत अभियान के तहत शिविर में उपस्थित ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों पंचायत पदाधिकारियों तथा अधिकारियों-कर्मचारियों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई समाज कल्याण विभाग, जिला एमसीबी के मार्गदर्शन में आयोजित इस विशेष कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में

बढ़ती नशे की प्रवृत्ति के प्रति जागरूकता फैलाना और लोगों को स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और नशे के खिलाफ सामूहिक संकल्प लिया शपथ ग्रहण कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी लोगों ने हाथ उठाकर यह संकल्प लिया कि वे स्वयं किसी भी प्रकार के तंबाकू उत्पाद, सिगरेट, गुटखा, शराब अथवा अन्य नशीले पदार्थों का सेवन नहीं करेंगे। साथ ही अपने परिवार, मित्रों, पड़ोसियों तथा समाज के अन्य लोगों को भी नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करेंगे समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों ने इस अवसर पर कहा कि नशा केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को ही प्रभावित नहीं करता, बल्कि परिवार की आर्थिक स्थिति, सामाजिक संबंधों और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य पर भी नकारात्मक प्रभाव डालता है। उन्होंने बताया कि नशे की लत अनेक सामाजिक समस्याओं की जड़ बनती है इसलिए इसके विरुद्ध सामूहिक जनजागरण अत्यंत आवश्यक है कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने भी ग्रामीणों को संबोधित करते हुए नशामुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भागीदारी की अपील की उन्होंने कहा कि युवाओं को नशे की गिरफ्त से बचाने के लिए परिवार समाज विद्यालय और प्रशासन को मिलकर कार्य करना होगा। यदि प्रत्येक नागरिक अपने स्तर पर जागरूकता फैलाने का संकल्प ले, तो नशामुक्त भारत का लक्ष्य आसानी से प्राप्त किया जा सकता है अधिकारियों ने कहा कि सुशासन तिहार केवल समस्याओं के समाधान और योजनाओं के लाभ वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक जागरूकता और सकारात्मक परिवर्तन का भी प्रभावी माध्यम है बड़गांवखुर्द शिविर में आयोजित नशामुक्ति शपथ कार्यक्रम ने यह संदेश दिया कि शासन और समाज के संयुक्त प्रयासों से स्वस्थ, सुरक्षित और नशामुक्त वातावरण का निर्माण संभव है कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी लोगों ने अपने गांव और समाज को नशामुक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयास करने का संकल्प दोहराया।

40 डिग्री की तपिश के बीच मंदसौर में बरसे बादल नौतपा के छठे दिन हुई बारिश; ओलावृष्टि का ऑरेंज अलर्ट जारी

मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)। मन्दसौर जिले में पिछले कई दिनों से पड़ रही भीषण गर्मी और लू के बीच शनिवार सुबह मौसम ने अचानक करवट ले ली। नोतपा के छठे दिन हुई बारिश ने जहां वातावरण में ठंडक घोल दी, वहीं लोगों को झुलसा देने वाली गर्मी से बड़ी राहत मिली। शुक्रवार देर शाम तक तेज धूप, गर्म हवाओं और उमस भरे मौसम से जनजीवन प्रभावित था, लेकिन शनिवार अल सुबह हुई बारिश ने पूरे जिले का मौसम सुहावना बना दिया।

जिला मुख्यालय सहित अंचल के कई क्षेत्रों में हुई बारिश: शनिवार सुबह मन्दसौर जिला मुख्यालय के साथ-साथ अंचल के विभिन्न क्षेत्रों में भी अच्छी बारिश दर्ज की गई। मन्दसौर शहर के अलावा सीतामऊ, खजूरी आंजना, नाहरगढ़ और पिपलिया मंडी सहित आसपास के क्षेत्रों से भी बारिश की खबरें सामने आई। बारिश के बाद तापमान में गिरावट दर्ज की गई और वातावरण में ठंडक महसूस की गई। हालांकि जिले के कई हिस्सों में अब भी बादलों का डेरा बना हुआ है, जिससे आगामी वक़्त में मौसम के और बिगड़ने की संभावना जताई जा रही है।

तापमान में आई गिरावट, गर्मी से मिली राहत: शुक्रवार को मन्दसौर में अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था, जबकि न्यूनतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना हुआ था। शनिवार को बारिश के बाद अधिकतम तापमान 36 डिग्री और न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। तापमान में आई इस गिरावट से लोगों ने राहत की सांस ली है।

ओलावृष्टि का ऑरेंज अलर्ट, मौसम विभाग ने जारी की चेतावनी: मौसम विभाग ने मन्दसौर जिले के लिए ओलावृष्टि का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार आगामी दिनों में जिले के कुछ क्षेत्रों में ओलावृष्टि और तेज आंधी के साथ बारिश की संभावना बनी हुई है। ऐसे में किसानों और आम नागरिकों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। गर्मी से बचने के लिए लोग अपना रहे एहतियाती उपाय बारिश से पहले पड़ रही भीषण गर्मी के चलते लोग धूप और लू से बचने के लिए विभिन्न उपाय अपनाते नजर आए। दोपहिया वाहन चालक और पैदल चलने वाले लोग चेहरे को गमछे, स्कार्फ या कपड़े से ढंककर सफर कर रहे थे। तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण दोपहर के समय सड़कों पर लोगों की आवाजाही काफी कम हो गई थी।

दोपहर में पसरा सन्नाटा, शाम को लौट रही रौनक: गर्मी के कारण लोग दोपहर के समय घरों में रहने को मजबूर थे। सुबह और देर शाम के समय ही बाजारों में चहल-पहल देखने को मिल रही थी। शहर के प्रमुख चौराहों, व्यस्त मार्गों और बाजार क्षेत्रों में दिन के समय सन्नाटा पसरा रहता था, जबकि सूर्यास्त के बाद बाजारों में रौनक लौटती दिखाई दे रही थी।

स्वास्थ्य पर भी पड़ रहा गर्मी का असर: तेज गर्मी का असर लोगों के स्वास्थ्य पर भी स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। जिला अस्पताल सहित विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों पर लू और डिहाइड्रेशन से पीड़ित मरीजों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। विशेष रूप से बच्चों, बुजुर्गों और पहले से बीमार लोगों को अधिक सावधानी बरतने की आवश्यकता बताई जा रही है। स्वास्थ्य विभाग ने नागरिकों से अत्यधिक गर्मी के दौरान सतर्क रहने की अपील करते हुए लोगों को पर्याप्त मात्रा में पानी पीने, शरीर को हाइड्रेट रखने और अनावश्यक रूप से धूप में बाहर निकलने से बचने की सलाह दी है। इसके अलावा हल्के रंग के सूती कपड़े पहनने, बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखने तथा तेज धूप में निकलते समय सिर और चेहरे को ढंककर रखने की भी सलाह दी गई है।शनिवार सुबह हुई बारिश ने मन्दसौर सहित पूरे अंचल को भीषण गर्मी से राहत जरूर दी है, लेकिन मौसम विभाग द्वारा जारी ऑरेंज अलर्ट को देखते हुए आने वाले दिनों में मौसम का मिजाज और बदल सकता है।

सीहोर में 10 दिन में 12 डिग्री गिरा तापमान : 46 से 34ए पर पहुंचा पारा ; तेज हवाएं चलने से लोगों को गर्मी से मिली राहत

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर में नौतपा के बीच मौसम में अचानक बदलाव आया है। जिला मुख्यालय और ग्रामीण अंचलों में तेज हवाओं और बादलों के कारण तापमान में गिरावट दर्ज की गई, जिससे भीषण गर्मी से राहत मिली है। शनिवार सुबह से ही क्षेत्र में रुक-रुक कर तेज हवाएं चलीं और आसमान में घने बादल छाए रहे। कई इलाकों में दिनभर सूर्य के दर्शन नहीं हुए, जिससे वातावरण में ठंडक महसूस की गई। इस मौसमी बदलाव का सीधा असर तापमान पर पड़ा है। शुक्रवार को अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था, जो शनिवार को 10 डिग्री गिरकर 34 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। नौतपा के दौरान आमतौर पर अत्यधिक गर्मी पड़ती है, लेकिन सीहोर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में तेज हवाओं और बादलों ने मौसम को खुशनुमा बना दिया है। शासकीय कृषि कॉलेज में स्थित मौसम विज्ञान केंद्र के मौसम वैज्ञानिक डॉ एसएस तोमर ने कहा बताया कि वेस्टर्न डिस्टरबेंस के कारण मौसम में आंशिक बदलाव आया है। आगामी तीन दिन मौसम ऐसा ही रहेगा।

सीहोर का पिछले दिनों का अधिकतम तापमान: 20 मई को तापमान 46.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस अवधि का सबसे अधिक तापमान रहा। इसके बाद 21 मई को 44.0 डिग्री, 22 मई को 43.2 डिग्री, 23 मई को 43.5 डिग्री और 24 मई को 43.3 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया। 25 मई को तापमान फिर बढ़कर 44.0 डिग्री और 26 मई को 44.3 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। 27 मई को 44.0 डिग्री, 28 मई को 44.1 डिग्री और 29 मई को 44.7 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। वहीं 30 मई को तापमान में उल्लेखनीय गिरावट आई और यह 34 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

बुरहानपुर में 5 दिन में भालू का दूसरा हमला : खेत पर गए 60 वर्षीय किसान को किया लहूलुहान पानी की तलाश में आ रहे

मीडिया ऑडीटर, बुरहानपुर (निप्र)। बुरहानपुर जिले के धूलकोट थाना क्षेत्र स्थित धोंड गांव में शनिवार सुबह एक भालू ने 60 वर्षीय किसान पर हमला कर दिया। हमले में बुजुर्ग के पैर और जांघ में गंभीर चोटें आई हैं। ग्रामीणों के शोर मचाने पर भालू जंगल की ओर भाग निकला। प्राथमिक उपचार के बाद घायल किसान को बुरहानपुर जिला अस्पताल रेफर किया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। जानकारी के अनुसार, धोंड निवासी 60 वर्षीय रायसिंह (पिता मानसिंह) शनिवार सुबह करीब 9 बजे अपने खेत पर थे। इसी दौरान अचानक भालू ने उन पर हमला कर दिया। रायसिंह के जोर से चिल्लाने पर आसपास के ग्रामीण इकट्ठा हो गए और शोर सुनकर भालू जंगल में भाग गया। सूचना मिलते ही 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची। एंबुलेंस के पायलट रोहित और ईएमटी (EMT) महेश ने घायल किसान को तत्काल प्राथमिक उपचार दिया। इसके बाद उन्हें धूलकोट के पास एक अस्पताल ले जाया गया, जहां से गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल (बुरहानपुर) रेफर कर दिया गया।

रेंजर बोले- पानी की तलाश में आ रहे वन्यप्राणी: धूलकोट रेंजर मनोज कुमार वास्कले ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि ग्रामीण शौच के लिए गया था, तभी भालू ने उस पर हमला कर दिया। उन्होंने बताया कि भीषण गर्मी के कारण वन्यप्राणी पानी की तलाश में जंगलों से बाहर निकल रहे हैं, जिस वजह से रिहायशी इलाकों में ऐसी घटनाएं बढ़ रही हैं।

5 दिन पहले उतर्नी गांव में भी किया था हमला: जिले में बीते पांच दिनों के भीतर भालू के हमले की यह दूसरी घटना है। इससे करीब पांच दिन पहले वन मंडल बुरहानपुर के उतर्नी गांव में भी जंगल में बकरियां चरा रहे एक व्यक्ति पर रीछ (भालू) ने हमला किया था। उसे भी जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जिसकी स्थिति में अब सुधार बताया जा रहा है। लगातार हो रही घटनाओं को देखते हुए वन विभाग अलर्ट मोड पर है।

नौतपा के छठे दिन बारिश, फिर निकली धूप :आसमान में छाए बादल,

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम में नौतपा के छठे दिन शनिवार सुबह मौसम ने अचानक करवट ली। तेज हवाओं के साथ बारिश चलीं। बादलों की गड़गड़ाहट होती रही। बारिश व ठंडी हवाओं से शहरवासियों को गर्मी से राहत मिली। सुबह 9.30 बजे बाद तेज धूप भी निकली। आसमान में बादल छाए रहे। पिछले 24 घंटे में तापमान में 0.8 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज हुई है। शुक्रवार देर रात से तेज ठंडी हवाओं का दौर शुरु हो गया था। इसका असर शनिवार सुबह तक रहा। तड़के करीब 4 बजे से सुबह 7 बजे तक रुक-रुक कर तेज तो कभी रिमझिम बारिश ने मौसम को ठंडा कर दिया। बारिश से सड़कों पर पानी बहने लगा।

दिन व रात का पारा लुढ़का: शहर में पिछले 4 दिन से अधिकतम तापमान 42 डिग्री और न्यूनतम तापमान 27 डिग्री के आसपास बना हुआ था। इससे लोगों को गर्मी से राहत नहीं मिल रही। दोपहर में लू के थपेड़ों ने परेशान कर रखा था। पिछले 24 घंटे में तापमान में 0.8 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज हुई है। जबकि रात के पारा भी 0.5 डिग्री लुढ़का है। शनिवार को हुई बारिश के बाद तापमान में और गिरावट की संभावना है। शुक्रवार को अधिकतम तापमान 41.2 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम 26.5 डिग्री सेल्सियस रहा। जबकि इसके एक दिन पहले गुरुवार को अधिकतम तापमान 42.0 व न्यूनतम तापमान 27.0 डिग्री सेल्सियस था। 25 मई से शुरू हुआ नौतपा 25 मई से नौतपा की शुरुआत हुई है। मौसम विभाग ने 30 मई के बाद अधिकांश जिलों में बारिश का दौर शुरू होने की संभावना जताई थी। इसका असर बारिश से देखने को भी मिला। मौसम विभाग ने 31 मई को अधिकांश जिलों में आंधी-बारिश की चेतावनी जारी की है जिसमें रतलाम भी शामिल है। 1 व 2 जून को भी ऐसा ही मौसम रहेने की संभावना है।

पानी की उपलब्धता हो तो हरी खाद की फसलें बोएं, मृदा के स्वास्थ्य में सुधार करें

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। कृषि वैज्ञानिक के अनुसार खेती में हरी खाद उस सहायक फसल को कहते हैं जिसकी खेती मुख्यतः भूमि में पोषक तत्वों को बढ़ाने एवं जैविक पदार्थ की पूर्ति करने के लिए की जाती है। ऐसी फसल को फूल आने से पहले कल्टीवेटर चलाकर मिट्टी में मिला दिया जाता है।हरी खाद से लाभ हरी खाद के उपयोग से मृदा में नाइट्रोजन व कार्बनिक पदार्थ की पूर्ति होती है। मृदा संरचना में सुधार, वायु संचार एवं जलधारण क्षमता में वृद्धि होती है। मृदा में सूक्ष्म जीवों की संख्या व क्रियाशीलता बढ़ती है। कृषि वैज्ञानिक के अनुसार हरी खाद की फसलें हरी खाद के लिए दलहनी फसल सनई , ढेंचा, लोबिया, मूंग, उड़द ज्वार आदि फसलों का उपयोग करें। इन फसलों की जल मांग व उर्वरक की आवश्यकता कम होती है, जिससे कम लागत में अधिक कार्बनिक पदार्थ मिलता है। दलहनी फसलों की जड़ों में नाइट्रोजन को वातावरण से मृदा में स्थिर करने वाले जीवाणु राइजोबियम पाए जाते हैं।

सनई, ढेंचा फसल की बुवाई के लिए बीज दर 40 से 50 किग्रा प्रति हैक्टेयर एवं मूंग, उड़द की बुवाई के लिए बीज दर 20 से 25 किग्रा प्रति हैक्टेयर की दर से उपयोग करें। कृषि वैज्ञानिक के अनुसार हरी खाद की फसल लेने की विधियां... पानी की व्यवस्था होने पर मई के अंतिम सप्ताह में हरी खाद की फसलों की बुवाई करें या मानसून आने पर बोएं।

रूपा नदी किनारे चल रहा था अवैध हथियार कारखाना खरगोन में पांच सिकलीगर गिरफ्तार

11 हथियार और पिस्टल बनाने का सामान जब्त

मीडिया ऑडीटर, खरगोन (निप्र)। खरगोन जिले के सिगनुर में रूपा नदी किनारे एक अवैध हथियार निर्माण कारखाने का भंडाफोड़ किया गया है। पुलिस ने मौके से पांच सिकलीगरों को हथियार बनाते हुए गिरफ्तार किया। यहां से 2.75 लाख रुपए मूल्य की नौ देशी पिस्टल और दो देशी कट्टे सहित भारी मात्रा में हथियार निर्माण सामग्री जब्त की गई है। पुलिस अधीक्षक रवींद्र वर्मा ने शुक्रवार शाम 5 बजे इस कार्रवाई का खुलासा किया। उन्हें सिगनुर में रूपा नदी किनारे कुछ सिकलीगरों द्वारा अवैध हथियार बनाने की सूचना मिली थी। भीकनगांव एसडीओपी राकेश आर्य के नेतृत्व में गोगावां और सनावद की पुलिस टीम ने संयुक्त रूप से दबिश दी।

घेराबंदी के दौरान आरोपी विकाससिंह पिता सुरजसिंह, कान्हा पिता धर्मसिंह, सुरजसिंह पिता चंदासिंह, गुरूबादल सिंह पिता दगलसिंह और रोशनसिंह पिता दगलसिंह, सभी निवासी सिगनुर, को पकड़ा गया। इन सभी के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धारा 25(1)(क) के तहत अपराध क्रमांक 171/26 दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

नौ हस्तनिर्मित पिस्टल-दो देशी कट्टे बरामद: मौके पर आरोपियों की तलाशी लेने पर उनके पास से नौ हस्तनिर्मित देशी पिस्टल और दो देशी कट्टे बरामद हुए। इसके अतिरिक्त, दो अधूरी पिस्टल, 11 बैरल, 12 घिसने की रेती, तीन ग्राइंडर मशीन, दो मैग्जीन, चार अधबनी मैग्जीन, दो मैग्जीन सांचे, 10 ग्राइंडर पत्ती, आठ पिस्टल सांचे, एक भट्टी ब्लोअर, एक संडासी, दो पेचकस, एक हथौड़ी, दो घिसने के सूजे, एक डिब्बे में नट बोल्ट, दो चिमटा और पांच सुराख की कीलें भी मिलीं। पुलिस की प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, गिरफ्तार किए गए आरोपियों के खिलाफ पहले से भी आर्म्स एक्ट के मामले दर्ज हैं। पुलिस उनसे गहन पूछताछ कर रही है।

पन्ना-अमानगंज मार्ग पर गहरी खाई में गिरा ट्रैक्टर पिपरवाह के पास मिट्टी भरी ट्रॉली बेकाबू होकर पलटी

मीडिया ऑडीटर, पन्ना (निप्र)। पन्ना-अमानगंज मार्ग पर पिपरवाह के पास शनिवार को मिट्टी से लदा एक ट्रैक्टर बेकाबू होकर सड़क किनारे गहरी खाई में पलट गया। इस भीषण हादसे में ट्रैक्टर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, लेकिन ड्राइवर ने समय रहते वाहन से कूदकर अपनी जान बचा ली। घटना के बाद मौके पर राहगीरों और ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई।

तेज रफ्तार के कारण वाहन पर नियंत्रण खोया: प्रत्यक्षदर्शी मनीष मिश्रा ने बताया कि मिट्टी से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली बड़वानी गांव की ओर जा रही थी। पिपरवाह के पास पहुंचते ही ट्रैक्टर की रफ्तार तेज होने के कारण चालक उस पर से नियंत्रण खो बैठा। बेकाबू ट्रैक्टर सीधे सड़क किनारे बनी गहरी खाई में जा गिरा। गनीमत रही कि ट्रैक्टर के पलटने से पहले ही चालक ने छलांग लगा दी, जिससे उसे कोई गंभीर चोट नहीं आई।

खेतों से पहुंचे लोगों ने किया बचाव कार्य: हादसे के बाद हुई तेज आवाज सुनकर आसपास के खेतों में काम कर रहे लोग और राहगीर तुरंत मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने तत्काल राहत कार्य शुरू किया और चालक की स्थिति का जायजा लिया। हादसे में ट्रैक्टर का हिस्सा बुरी तरह दब गया है, जिसे निकालने के लिए मशीनों की मदद ली जा रही है।

बुरहानपुर में केले के खेत में गांजे की खेती पकड़ी शाहपुर में 10.5 किलो गांजे के पौधे जब्त, एक गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, बुरहानपुर (निप्र)। बुरहानपुर जिले में अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत शाहपुर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने केले के खेत में छिपाकर की जा रही गांजे की खेती का भंडाफोड़ करते हुए 10.5 किलोग्राम गांजे के पौधे जब्त किए और एक आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस अधीक्षक आशुतोष बागरी के निर्देश पर, थाना प्रभारी अखिलेश मिश्रा के नेतृत्व में 29 मई को ग्राम बंडसिंगी में दबिश दी गई। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि संतोष पिता लक्ष्मण पाटील अपने केले के खेत में अवैध रूप से गांजे की खेती कर रहा है।

पुलिस टीम ने केले के व्यापारी बनकर खेत में छापा मारा और मौके से 40 वर्षीय आरोपी

संतोष पाटील गुर्जर को हिरासत में लिया। खेत से गांजे के 05 हरे पौधे बरामद हुए, जिनका कुल वजन लगभग 10 किलो 500 ग्राम है। जब्त गांजे की अनुमानित कीमत 50 हजार रुपये आंकी गई है।

आरोपी संतोष पाटील गुर्जर कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। थाना शाहपुर में उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 (ए) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आरोपी से आगे की पूछताछ जारी है।

इटारसी के गुरुमाया चिल्ड्रन हॉस्पिटल में लगी आग

एसी-सोफा सहित फर्नीचर जला, अस्पताल कर्मियों-फायर बिग्रेड टीम ने पाया काबू

मीडिया ऑडीटर, इटारसी (निप्र)। शहर के लक्कड़गंज स्थित बीएसएनएल कार्यालय के पास बने गुरुमाया चिल्ड्रन हॉस्पिटल में शनिवार तड़के करीब 3:30 बजे आग लग गई। आग अस्पताल के कार्यालय के अगले हिस्से में लगी, जिससे वहां रखा फर्नीचर और अन्य सामान जल गया। समय रहते आग पर काबू पा लिए जाने से बड़ा नुकसान टल गया। अस्पताल परिसर से धुआं उठता देख ड्यूटी पर मौजूद कर्मचारी तुरंत मौके पर पहुंचे और आग बुझाने की कोशिश शुरू कर दी। आग की चपेट में आकर कार्यालय में रखा एसी, सोफा, डॉक्टर की कुर्सी और मेज जल गए।

शॉर्ट सर्किट की आशंका: घटना की सूचना मिलते ही नगर पालिका की फायर ब्रिगेड और पुलिस टीम अस्पताल पहुंची। तब तक अस्पताल स्टाफ आग को काफी हद तक नियंत्रित कर चुका था। अस्पताल अधीक्षक डॉ. विवेकचरण दुबे ने बताया कि शुरुआती जांच में कैमरे के डीवीआर बॉक्स में शॉर्ट सर्किट होने की आशंका है। डीवीआर बॉक्स में आग लगने के बाद आसपास रखा फर्नीचर इसकी चपेट में आ गया।

वार्ड तक नहीं पहुंची आग: अस्पताल प्रबंधन के अनुसार कर्मचारियों की सतर्कता और स्थानीय लोगों की मदद से आग को फैलने से रोक लिया गया। इससे अस्पताल के वार्ड और मरीज पूरी तरह सुरक्षित रहे। घटना के दौरान कुछ समय के लिए अस्पताल में अफरा-तफरी का माहौल जरूर बना, लेकिन किसी तरह की जनहानि नहीं हुई। फायर ब्रिगेड ने मौके का निरीक्षण कर आग पूरी तरह बुझने की पुष्टि की है। पुलिस और फायर विभाग मामले की जांच कर रहे हैं।

पीडीएस से राशन सामग्री लेने वाले हितग्राही ई-केवायसी अपने फोन से कर सकते हैं

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। पीडीएस से राशन सामग्री लेने वाले हितग्राही को ई-केवाईसी कराने के लिए कहीं भी जाने की आवश्यकता नहीं है। वह अपने एंड्रॉयड फोन पर 'मेरा ई-केवायसी'' एप को डाउनलोड कर अपने फेस वेरिफिकेशन के माध्यम से ई-केवायसी कर सकता है। वृद्ध हितग्राही एवं बच्चों की ई-केवायसी भी इस एप से कर सकते हैं।परिवार के किसी एक सदस्य के मोबाइल से ही सभी सदस्यों की ई-केवाईसी की जा सकती है। साथ ही मध्यप्रदेश से बाहर गये हितग्राही किसी भी प्रदेश में इस एप पर अपना ई-केवायसी कर सकते हैं। हितग्राही घर बैठे अपनी ई-केवाईसी करा सकते है और बिना किसी समस्या के राशन प्राप्त कर रहे हैं। हितग्राहीजिन्होंने अब तक अपनी ई-केवायसी नहीं कराई है, वे घर बैठे अपने मोबाइल फोन पर ही अपना ई-केवायसी कर लें, जिससे आगामी माहों में आपको बिना किसी बाधा के राशन प्राप्त हो सके।

मेरा ई-केवायसी है- एकदम आसान: अपने मोबाईल फोन पर प्लेस्टोर से मेरा ई-केवायसी एप को https Ñ//tinyurl.com/w~y&ckzm लिंक से डाउनलोड करें। इसके पश्चात से फेस आरडी डाउनलोड करें।अब एप पर दाहिनी ओर ऊपर तीन छोटे बिन्दु दिखाई देंगे उस पर क्लिक करके हितग्राही अपनी सुविधा अनुसार भाषा का चयन करें। इसके पश्चात राज्य चयन के विकल्प में मध्यप्रदेश को चुने।

रॉयल्स के बाहर होने से वैभव के लिए दुखी हुए अश्विन

कप्तान और सीनियर खिलाड़ियों के खराब प्रदर्शन पर भड़के

चेन्नई, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के क्वालीफायर-2 में गुजरात टाइटंस से हार के साथ ही राजस्थान रॉयल्स की टीम बाहर हो गयी। रॉयल्स के बाहर होने से पूर्व क्रिकेटर आर अश्विन निराश हैं। उनका कहना है कि इस सत्र में वैभव सूर्यवंशी ने असाधारण प्रदर्शन कर टीम को खिताब मुकाबले का दावेदार बना दिया था। पर रियान पराग की गलती से उसके हाथों से ये अवसर निकल गया। अश्विन ने कहा कि वह वैभव के लिए दुखी हैं क्योंकि उसकी मेहनत बेकार हो गयी। वहीं अश्विन ने टीम के सीनियर खिलाड़ियों और कप्तान रियान पराग की जमकर आलोचना करते हुए कहा कि इन लोगों की गलती से टीम बाहर हुई है।

वैभव ने अपने बल पर रॉयल्स को यहां तक पहुंचाया। नॉकआउट चरण में उनकी बल्लेबाजी बेहद प्रभावशाली रही। एलिमिनेटर मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ उन्होंने 97 रनों की धुआंधार पारी खेली, जबकि क्वालीफायर-2 में गुजरात टाइटन्स के सामने भी उन्होंने 96 रन बनाए। पूरे टूर्नामेंट में वैभव ने लगभग 800 रन बनाकर अपने को साबित किया पर अन्य बल्लेबाजों ने उनकी मेहनत पर पानी फेर दिया।

अश्विन ने कहा, मैं मायूस हूं, क्योंकि उन्होंने आईपीएल 2026 में बहुत शानदार खेल दिखाया। लेकिन मेरे लिए सबसे खास बात वह पारी थी जो उन्होंने क्वालीफायर-2 में खेली। बेशक, किस्मत ने उनका थोड़ा साथ दिया, लेकिन पिच गेंदबाजों की मदद कर रही थी। उन्होंने मोहम्मद सिराज, कागिसो रबाडा और जेसन होल्डर जैसे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों का सामना किया। उन्हें थोड़ी किस्मत का साथ मिला और एक कैच भी गिरा पर जिस प्रकार उन्होंने बल्लेबाजी की उसकी जितनी सराहना की जाये कम है। अश्विन ने रॉयल्स के अन्य खिलाड़ियों के प्रदर्शन को निराशाजनक बताया। उन्होंने कहा, मैं जानता हूं कि गुजरात के कप्तान शुभमन गिल और साई सुदर्शन ने अच्छी बल्लेबाजी की थी पर रॉयल्स के अन्य बल्लेबाजों ने वैभव का साथ नहीं दिया। क्वालीफायर-2 में हार के बाद वैभव काफी भावुक हो गए थे। अश्विन ने कहा कि एक 15 साल का लड़का हमेशा टीम को मैच जिताने के बारे में सोचता है। उन्होंने राजस्थान के सीनियर बल्लेबाजों यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल और रियान पराग के रन नहीं बनाने पर नाराजगी जताई, जिससे टीम शुरुआत में ही मुकाबले से बाहर हो गई। वैभव के अलावा, अश्विन ने रियान पराग की कप्तानी पर भी गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने मैच के दौरान लिए गए कुछ फैसलों पर पर सवाल उठाते हुए कहा, दासुन शनाका ने नौ गेंदों में तीन रन बनाए, जिनमें से दो गेंदें उन्होंने छोड़ दीं।

जोफ्रा आर्चर बल्लेबाजी के लिए डोनोवन फरेरा से पहले आ गए! किसी ने भी वैभव का साथ नहीं दिया, फिर भी वैभव अकेले टीम को जीत दिलाने का प्रयास करते रहे। बीच दीवार बनकर खड़े रहे। ये रियान पराग की कप्तानी के स्तर को दर्शाता है। अश्विन के इन बयानों से स्पष्ट है कि उन्हें युवा वैभव के प्रदर्शन पर गर्व है, लेकिन टीम के वरिष्ठ खिलाड़ियों और नेतृत्व की कमी ने उन्हें बेहद निराश किया है।

आईआईएचएफ आइस हॉकी विश्व चैंपियनशिप की तैयारियों में लगी भारतीय टीम

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय पुरुष और महिला टीमें अगले साल होने वाले आईआईएचएफ आइस हॉकी विश्व चैंपियनशिप की तैयारियों में लगी है। भारतीय टीमों को इसमें डिविजन 4 में रखा गया है। आइस हॉकी वर्ल्ड चैंपियनशिप अगले साल 14 से 30 मई के बीच जर्मनी के डसेलडोर्फ और मैनहेम में होगी। इसके लिए पुरुष, महिला टीमें राष्ट्रीय शिविरों, खिलाड़ियों के मूल्यांकन, कोचिंग कार्यक्रमों और प्रतिस्पर्धी अनुभव को सहारा लेंगी। भारत साल 1989 से ही अंतरराष्ट्य आइस हॉकी फेडरेशन का पूर्ण सदस्य रहा है। भले ही भारतीय टीमों का प्रदर्शन अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय टूर्नामेंट्स में कुछ खास नहीं रहा हो पर वह लगातार बेहतर करती आई है।

देहरादून स्थित हिमाद्री आइस रिंक (भारत का एकमात्र ओलंपिक-आकार का इनडोर आइस रिंक है) इसमें आयोजित 2025 नेशनल आइस हॉकी चैंपियनशिप ने पुरुष, महिला और युवा श्रेणियों की टीमों को बेहतर अनुभव हासिल करने का अवसर दिया है।

यूएई में आयोजित आईआईएचएफ महिला एशिया कप 2025 में भारतीय टीम को कांस्य पदक मिला था। इससे भारतीय टीम का मनोबल बढ़ा था। अब विश्व वर्ल्ड चैंपियनशिप 2027 में महिला और पुरुष दोनो ही वर्ग में अंडर-20 टीमों को भी शामिल करना एक और अहम सफलता है। इससे युवा खिलाड़ियों को बेहतर अनुभव मिलेगा। आईआईएचएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप 2027 सिर्फ एक और अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट नहीं है। आईआईएचएफ प्रतियोगिता प्रणाली के तहत देश विश्व आइस हॉकी में अपनी स्थिति बनाने के लिए अलग-अलग डिवीजन में मुकाबला करते हैं। वहीं भारत का एक ही समय में तीन राष्ट्रीय टीमों के साथ इसमें प्रवेश करना, 2027 संस्करण को भारतीय आइस हॉकी के लिए एक ऐतिहासिक पल होगा।

वैभव सूर्यवंशी के कायल हुए लेंगर

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपनी शानदार बल्लेबाजी से छाये हुए वैभव सूर्यवंशी के मुरीद ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर और लखनऊ सुपर जॉइंट्स के मुख्य कोच जस्टिन लेंगर भी हैं। लैंगर ने कहा है कि वह वैभव से प्रभावित हैं। साथ ही कहा कि उनके साथ एक सेल्फी चाहते हैं। जिसे उन्होंने अपनी जिंदगी का सिर्फ दूसरा ऐसा अवसर बताया है। लेंगर ने एक पोस्ट के जरिए इसका खुलासा किया है। लेंगर ने बताया कि राजस्तथान रॉयल्स और लखनऊ सुपर जॉइंट्स के बीच हुए एक मैच के बाद उन्होंने वैभव से सेल्फी खिंचाने को भी कहा था। लेंगर का मानना है कि आने वाले समय में वैभव क्रिकेट जगत पर छाया रहेगा।

इस पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर ने कहा कि उन्होंने इससे पहले केवल एक बार किसी खिलाड़ी से सेल्फी खिंचवाने को कहा था। दो साल पहले उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई फुटबॉल लीग के दिग्गज स्टीफन माइकल से सेल्फी खिंचाने को कहा था। लेंगर ने लिखा, पिछले हफ्ते मैंने कुछ ऐसा किया, जो अपनी जिंदगी में सिर्फ दूसरी बार ही किया है। मैंने किसी अन्य खिलाड़ी से सेल्फी देने को कहा। वहीं दूसरी बार यही बात 15 साल के वैभव से कही। वैभव सूर्यवंशी ने मेरी टीम लखनऊ सुपर जॉइंट्स के खिलाफ कई चौके और छक्के लगाये। उसने इस आईपीएल सीजन में 65 छक्के लगाये हैं - ये किसी भी टी20 टूर्नामेंट में किसी बल्लेबाज के दूसरे सबसे ज्यादा छक्के हैं। वह पुरुष टी20 क्रिकेट में सबसे कम उम्र में शतक लगाने वाला खिलाड़ी है।

अर्जेंटीना ने फीफा विश्व कप के लिए टीम की घोषणा की, मेसी छठी बार लेगें हिस्सा

ब्यूनस आयर्स, एजेंसी। अर्जेंटीना के मुख्य कोच लियोनेल स्कालोनी ने लगातार बढ़ती चोटों की चिंताओं के बीच स्पष्ट किया है कि कप्तान लियोनेल मेसी सहित ज्यादातर मौजूदा विश्व चैंपियन खिलाड़ी 2026 फीफा विश्व कप के लिए टीम का हिस्सा होंगे। अर्जेंटीना लगातार दूसरी बार विश्व खिताब जीतने के लक्ष्य के साथ मैदान में उतरेगा। अर्जेंटीना फुटबॉल संघ ने 26 सदस्यीय विश्व कप टीम की घोषणा की, जिसमें 39 वर्ष के होने जा रहे लियोनेल मेसी सबसे बड़े आकर्षण हैं। इस टीम में 17 ऐसे खिलाड़ी है जिन्होंने चार वर्ष पहले कतर में फ्रांस को हराकर अर्जेंटीना को विश्व चैंपियन बनाया था। टीम घोषित होने से पहले कई खिलाड़ियों की फिटनेस को लेकर संशय बना हुआ था। खुद मेसी भी चोट से जूझ रहे हैं। इसी कारण वह पिछले रविवार इंटर मियामी के मैच को पूरा नहीं खेल सके थे। मेसी अपने करियर का छठा विश्व कप खेलने जा रहे हैं। इससे पहले वह 2006 में जर्मनी, 2010 में दक्षिण अफ्रीका, 2014 में ब्राजील, 2018 में रूस और 2022 में कतर विश्व कप में हिस्सा ले चुके हैं।

टीम के प्रमुख गोलकीपर एमिलियानो मार्टिनेज को भी मौका दिया गया है। पिछले सप्ताह यूरोपा लीग फाइनल के दौरान उनकी दाहिने हाथ की अनामिका में फ्रैक्चर हो गया था। कोच स्कालोनी ने चोटिल डिफेंडर क्रिस्टियन रोमेरो को भी टीम में रखा है। इसके अलावा नाहुएल मोलिना और गोंजालो मोंटियल भी चोट से उबर रहे हैं। मोंटियल ने 2022 विश्व कप फाइनल में फ्रांस के खिलाफ निर्णायक पेनल्टी गोल दागा था। तीन बार का विश्व चैंपियन (1978, 1986 और 2022) अर्जेंटीना अपने अभियान की शुरुआत 16 जून को ग्रुप %जे% में अल्जीरिया के खिलाफ करेगा। इस ग्रुप में ऑस्ट्रिया और जॉर्डन भी शामिल हैं। अर्जेंटीना की टीम शनिवार को अपने विश्व कप शिविर के लिए कैनसस सिटी रवाना होगी। टूर्नामेंट से पहले टीम होंडुरास और आइसलैंड के खिलाफ अभ्यास मैच खेलेगी।

अर्जेंटीना टीम

गोलकीपर : एमिलियानो मार्टिनेज, जेरोनिमो रूली, जुआन मुस्सो।

डिफेंडर : गोंजालो मोंटियल, नाहुएल मोलिना, लिसांद्रो मार्टिनेज, निकोलस ओटामेंडी, लियोनार्डो बालेरडी, क्रिस्टियन रोमेरो, निकोलस टैग्लियाफिको, फाकुंडो मेडिना।

मिडफील्डर : जियोवानी लो सेल्सो, लिएंड्रो परेडेस, रोड्रिगो डी पॉल, एक्सेकिएल पालासियोस, एंजो फर्नांडीज, एलेक्सिस मैक एलिस्टर, वैलेंटिन बार्को।

फॉरवर्ड : लियोनेल मेसी, निकोलस गोंजालेज, जूलियानो सिमियोने, लाउतारो मार्टिनेज, जोस मैनुअल लोपेज, जूलियन अल्वारेज, थियागो अल्माडा और निको पाज।

आईपीएल फाइनल को देखते हुए हवाई टिकट के साथ ही होटल भी हुए महेंगे

अहमदाबाद, एजेंसी। आईपीएल के 19 सत्र का खिताबी मुकाबला रविवार को अहमदाबाद में खेला जाएगा। इस मुकाबले को लेकर प्रशंसकों में जबरदस्त आकर्षण है। फाइनल देखना हालांकि प्रशंसकों की जेब पर भारी पड़ेगा। फाइनल के लिए पहले ही मैच के लगभग सभी टिकट बिक चुके हैं। वहीं होटल की बुकिंग और हवाई किराए में भी भारी तेजी आयी है। प्रशंसक मैच में पहुंचने के लिए तीन से चार गुना ज्यादा किराया देने को भी तैयार दिख रहे हैं। इसी कारण दिल्ली-अहमदाबाद और बेंगलुरु-अहमदाबाद जैसे मुख्य रूटों पर हवाई किराए दोगुने हो गए हैं। मैच के समय के आस-पास की उड़ानों में प्रीमियम इकॉनमी और बिजनेस क्लास की सीटें कई रूटों पर पहले ही बिक चुकी हैं। बेंगलुरु से कुछ उड़ानो का एक तरफ का किराया ही 22,800 रुपए से भी ज़्यादा हो गया है, जबकि आम तौर पर यह 6,000 से 8,000 रुपए के बीच रहता है। इसके अलावा अहमदाबाद और गांधीनगर के होटलों में भी भारी मांग देखने को मिल रही है। होटल के कमरों का किराया जो आम तौर पर 6,000 से 16,000 रुपए (टैक्स के अलावा) के बीच रहता है, भारी मांग के चलते बढ़ गया है। अधिकारियों ने बताया कि फाइनल मैच से दो दिन पहले ही गांधीनगर स्थित एक पंच सितारा होटलों में दाम कई गुना बढ़ गये हैं। ट्रैलव ऑपरेटर्स को यह भी उम्मीद है कि हवाई जहाज के टिकट महंगे होने या उपलब्ध न होने की वजह से सड़क के रास्ते आने वाले फैन्स की भारी भीड़ उमड़ेगी। मैच के तुरंत बाद वापसी की यात्रा की मांग आमतौर पर ट्रांसपोर्ट के खर्च को सामान्य रेट से लगभग डेढ़ गुना तक बढ़ा देती है। इस बीच आईपीएल फाइनल के टिकट, जिनकी शुरुआती कीमत ऊपरी-स्तरीय स्टैंड्स के लिए 2500 रुपए है और जो प्रेसिडेंट्स गैलरी के लिए 25000 रुएप तक जाती है, आधिकारिक वेबसाइट पर लगभग बिक चुके हैं। ऑनलाइन टिकट पाना अभी भी मुश्किल बना हुआ है।

हार्दिक पांड्या सहित कई बड़े खिलाड़ियों को बाहर कर सकती है मुम्बई इंडियंसः रिपोर्ट

मुम्बई, एजेंसी। आईपीएल में मुंबई इंडियंस की कप्तानी कर रहे हार्दिक पांड्या की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। टीम की हार के बाद उनका अपना प्रदर्शन भी उम्मीद के अनुरुप नहीं रहा है। ऐसे में एक रिपोर्ट के अनुसार आने वाले सत्र में मुम्बई टीम उन्हें शायद ही रिटेन करे। इस सत्र में मुम्बई केवल चार मैच जीतकर 8 अंक हासिल करने में सफल रही है। इससे टीम अंक तालिका में नौवें स्थान पर रहे। पिछले सत्र में भी उनकी कप्तानी में टीम असफल रही थी। ऐसे में मुंबई इंडियंस अब अगले सत्र के लिए बड़े बदलाव कर सकती है। इसके तहत कप्तान सहित कई स्टार खिलाड़ियों को बाहर किया जा सकता है।

रिपोर्टों के अनुसार, मुंबई इंडियंस के करीबी सूत्रों का भी मानना है कि हार्दिक से कप्तानी छीनी जा सकती है। टीम में उनकी केवल एक खिलाड़ी के रूप में भूमिका पर भी चर्चा हो सकती है। टीम प्रबंधन और कोचिंग स्टाफ इस असफलता के बाद गहन विचार विमर्श के दौर से गुजर रहा है। मुंबई इंडियंस के आखिरी लीग मैच के बाद हुई कोचिंग स्टाफ की बैठक में भी सीनियर खिलाड़ियों से साफ कह दिया गया कि उन्हें मैदान पर दिए गए कोचिंग निर्देशों और डेटा-आधारित रणनीतियों का पालन करना चाहिए। कई बार खिलाड़ियों ने कोचिंग स्टाफ के सुझावों को नजरअंदाज किया, जिससे टीम को नुकसान हुआ है। टीम की परेशानी केवल कप्तानी तक सीमित नहीं है। टीम इस आईपीएल में पावरप्ले का भी टीम सही इस्तेमाल नहीं कर पाई, जैसा कि प्लेऑफ में पहुंची कई सफल टीमों ने किया। राजस्थान रॉयल्स और सनराइजर्स हैदराबाद जैसी टीमों ने अपने टॉप ऑर्डर से लगातार 10 रन प्रति ओवर से अधिक बनाकर टी20 बल्लेबाजी को एक नई परिभाषा दी, लेकिन मुंबई इंडियंस ऐसा नहीं कर पायी। वहीं, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और गुजरात टाइटंस ने भुवनेश्वर कुमार, जोश हेजलवुड, कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज जैसे अनुभवी गेंदबाजों को वरीयत दी, जबकि मुंबई के स्टार खिलाड़ी नाकाम रहे।

अपनी अलग पहचान बनाना चाहते हैं स्पिन ऑलराउंडर हर्ष दुबे

नागपुर, एजेंसी। उभरते हुए स्पिन ऑलराउंडर हर्ष दुबे अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले एकमात्र टेस्ट और तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए टीम में जगह पाने से उत्साहित है और इसमें बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयार हैं। हर्ष को पहली बार बार भारतीय टीम में शामिल किया गया है। हर्ष के अनुसार वह अपने अनुसार खेलना चाहते हैं। किसी का विकल्प बनने का उनका प्रयास नहीं है। माना जा रहा है कि इस स्पिनर को अनुभवी ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा को आराम दिये जाने के कारण शामिल किया गया है। इस युवा ने कहा है कि वही कड़ी मेहनत के बल पर अपनी खुद की पहचान बनाना चाहते हैं। दुबे ने कहा, 'अभी मैं इस टेस्ट मैच को किसी भी अन्य मैच की तरह ही ले रहा हूं। मैं खुद पर बहुत अधिक दबाव नहीं डालना चाहता। मैं बस अपनी काबिलियत पर भरोसा रखना चाहता हूं और वही करते रहना चाहता हूं जो मेरे लिए हमेशा कारगर रहा है।'

हर्ष ने कहा कि वह इस अवसर को एक खिलाड़ी के तौर पर आगे बढ़ने में मददगार मानते हैं और उनका पूरा ध्यान मौका मिलने पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर है, न कि भविष्य के बारे में बहुत अधिक सोचने पर। बाएं हाथ के स्पिनर के अलावा हर्ष बल्लेबाजी में भी पीछे नहीं हैं। इस क्रिकेटर ने अब तक 95 मुकाबलों में 198 विकेट लिए हैं और 27 प्रथम श्रेणी मैचों में 1000 से अधिक रन बनाए हैं। वह अपने को एक ऑलराउंडर के रूप में देखते हैं। उन्होंने अपने पहले पूर्ण आईपीएल सत्र के अनुभव को भी साझा किया, जहां उन्होंने आठ मैचों में आठ विकेट लिए। दुबे ने आठ मैच में आठ विकेट लिए जिसमें दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 12 रन पर तीन विकेट का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी शामिल है। दुबे ने अपनी इस यात्रा का श्रेय अपने माता-पिता को दिया और युवाओं को हमेशा टीम के लिए खेलने और अपना शत प्रतिशत देने की सलाह दी।

आईसीसी ने महिला टी20 विश्व के लिए मैच अधिकारी घोषित किये

दुबई, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अगले माह जून में होने वाले महिला टी20 विश्व कप 2026 के लिए मैच अधिकारियों की घोषणा कर दी है। इसके लिए घोषित सभी मैच अधिकारी महिलाएं हैं। यह लगातार तीसरा अवसर है जब टूर्नामेंट में पूरी तरह से महिला मैच अधिकारियों को रखा गया है। इस पैनल में चार अधिकारी कैंडेस ला बोर्डे, गायत्री वेणुगोपालन, केरिन क्लास्टे और शतिरा जाकिर जेसी हो पहली बार पैनल में शामिल किया गया है।

यह टूर्नामेंट 12 जून से इंग्लैंड और वेल्स में खेला जाएगा। आईसीसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी संजोग गुप्ता ने बताया कि महिला मैच अधिकारियों यह पैनल खेल के सभी पहलुओं में प्रतिनिधित्व बढ़ाने और महिला अधिकारियों की प्रगति के प्रति आईसीसी की प्रतिबद्धता को दिखाता है। इसमें 33 मैचों के लिए कुल 14 अंपायर और चार मैच रेफरी रखे गये हैं। जिनमें से 9 अधिकारी 2024 एडिशन से वापस लौटेंगे। ऑस्ट्रेलियाई अधिकारी क्लेयर पोलोसाक सबसे अनुभवी हैं, जो अपनी छठी उपस्थिति दर्ज करेंगी और उन्होंने पहले 22 मैचों में अंपायरिंग की है।

समाज कल्याण योजनाओं से बदल रही बीजापुर की तस्वीर

नशामुक्ति, योग, दिव्यांग सहायता और पेंशन योजनाओं से हजारों लोगों को मिल रहा लाभ

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। बीजापुर जिले में समाज कल्याण विभाग और विभिन्न संस्थाओं के संयुक्त प्रयासों से नशामुक्ति, योग, दिव्यांग पुनर्वास और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के जरिए लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आ रहा है। इन योजनाओं से जिले के हजारों हितग्राहियों को सीधा लाभ मिल रहा है।

नशामुक्ति केंद्र से 112 लोगों को मिली नई जिंदगी: जिले में गुण्डाधुर सेवा संस्थान समिति द्वारा 12 दिसंबर 2024 से नशामुक्ति केंद्र संचालित किया जा रहा है। यहां नशे की लत से पीड़ित लोगों का इलाज विशेषज्ञ डॉक्टरों और काउंसलर्स की देखरेख में किया जा रहा है। योग, ध्यान, थेरेपी, मनोवैज्ञानिक परामर्श और चिकित्सा उपचार के माध्यम से अब तक 112 लोगों को नशे की लत से मुक्ति दिलाई जा चुकी है।

योग से बढ़ रही जागरूकता और स्वस्थ जीवनशैली: छत्तीसगढ़ योग आयोग द्वारा जिले के दूरस्थ और आदिवासी क्षेत्रों में लगातार योग प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। प्रशिक्षित युवाओं को ग्राम पंचायतों, आश्रम-शालाओं और छात्रावासों में योग प्रशिक्षण की जिम्मेदारी दी गई है। स्कूलों और छात्रावासों में बच्चों को नियमित योगाभ्यास कराया जा रहा है, जिससे उनके शारीरिक और मानसिक विकास में सुधार हो रहा है।

दिव्यांगजनों को मिल रहे सहायक उपकरण: समाज कल्याण विभाग द्वारा दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए विभिन्न सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जा रहे हैं। वित्तीय वर्ष 2025-26 में जिले में 13 ट्रायसायकल, 11 बैटरी चलित ट्रायसायकल, 26 व्हील चेयर, 251 बैशाखियां, 185 वॉकिंग स्टिक, 135 श्रवण यंत्र और 8 ब्रेल केन वितरित किए गए हैं।

विशेष विद्यालय और पुनर्वास केंद्र से बच्चों को लाभ: समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित बौद्धिक मंद बालक विशेष विद्यालय बीजापुर में 18 छात्र आवासीय शिक्षण-प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। समर्थ जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र के माध्यम से दिव्यांग बच्चों को समावेशी शिक्षा, फिजियोथेरेपी, स्पीच थेरेपी और मनोवैज्ञानिक परामर्श जैसी सुविधाएं निःशुल्क प्रदान की जा रही हैं। बच्चों को पौष्टिक भोजन और नाश्ता भी उपलब्ध कराया जा रहा है।

12 हजार से अधिक हितग्राहियों को मिल रही पेंशन: सामाजिक सहायता कार्यक्रम के तहत जिले में 12 हजार 379 हितग्राही विभिन्न पेंशन योजनाओं का लाभ ले रहे हैं। वृद्धजन, दिव्यांगजन, विधवा और परित्यक्ता महिलाओं को प्रतिमाह 500 रुपये की पेंशन राशि दी जा रही है, जिससे उन्हें दैनिक जरूरतों को पूरा करने में सहायता मिल रही है।

थर्ड जेंडर और यूडीआईडी कार्ड पर भी कार्य जारी: जिले में 13 थर्ड जेंडर हितग्राही चिन्हित किए गए हैं। इनमें से 5 लोगों के पहचान पत्र बनाए जा चुके हैं, जबकि शेष की प्रक्रिया जारी है। वर्ष 2025-26 में 176 दिव्यांगता प्रमाण पत्र और 79 यूडीआईडी कार्ड जारी किए गए हैं।

दिव्यांग विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति से प्रोत्साहन: वित्तीय वर्ष 2025-26 में जिले के 839 दिव्यांग छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति प्रदान की गई है। इससे उनकी शिक्षा को प्रोत्साहन मिल रहा है और वे आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

जनकल्याण योजनाओं से मजबूत हो रहा सामाजिक विकास: समाज कल्याण विभाग की इन योजनाओं से बीजापुर जिले में सामाजिक सुरक्षा और समावेशी विकास को नई मजबूती मिल रही है। शासन की जनकल्याणकारी योजनाएं लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला रही हैं।

नियद नेल्लानार 2.0 बस्तर के सुदूर अंचलों में 31 व्यक्तिगत और 14 सामुदायिक योजनाओं का मिलेगा सीधा लाभ

मुख्य सचिव विकासशील ने की समीक्षा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वाकांक्षी नियद नेल्ला नार योजना 2.0 के माध्यम से माओवादी प्रभावित और सुदूर अंचलों के ग्रामीणों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए एक व्यापक अभियान शुरू होने जा रहा है। इस नई कार्ययोजना के तहत वामपंथ उग्रवाद से मुक्त हुए क्षेत्रों में जनकल्याणकारी योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ (संतृप्तिकरण) सुनिश्चित किया जाएगा। आज मंत्रालय महानदी भवन में मुख्य सचिव श्री विकासशील की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय बैठक संपन्न हुई, जिसमें नियद नेल्लानार 2.0, बस्तर मुन्ने और सुघ्घर छत्तीसगढ़ जैसी महत्वाकांक्षी योजनाओं की रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा की गई।

नियद नेल्लानार 1.0 की सफलता के बाद अगला कदम: बैठक में बताया गया कि योजना के पहले चरण (1.0) के तहत बीजापुर, सुकमा, दंतेवाड़ा, कांकेर और नारायणपुर जिले के सुरक्षा कैंपों के आसपास के गांवों में 25 हितग्राही मूलक और 14 सामुदायिक सुविधाएं पहुंचाई गई थीं। अब इसके दूसरे चरण (नियद नेल्ला नार 2.0) का दायरा बढ़ाते हुए 31 व्यक्तिगत हितग्राही मूलक योजनाएं, 14 सामुदायिक योजनाएं और 10 वांछित सेवाएं सीधे ग्रामीणों तक पहुंचाई जाएंगी।

गांव-गांव पहुंचेंगी ये प्रमुख 31 व्यक्तिगत योजनाएं: इस विशेष अभियान के तहत हर पात्र ग्रामीण का डेटा तैयार कर उन्हें योजनाओं से सीधे जोड़ा जाएगा। मनरेगा जॉब कार्ड, वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन और दिव्यांगता पेंशन। प्रधानमंत्री आवास योजना, जल जीवन मिशन, राशन कार्ड और मुफ्त राशन वितरण योजना, आयुष्मान कार्ड, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण), सक्षम आंगनबाड़ी और पोषण, जननी सुरक्षा योजना और मिशन इंद्रधनुष टीकाकरण, महिला एवं बाल विकास की प्रधानमंत्री मातृवंदन योजना और महतारी वंदन योजना से जोडा जाएगा। इसी प्रकार पीएम किसान सम्मान निधि, किसान क्रेडिट कार्ड (च्ष्ट्ष्ट), मृदा स्वास्थ्य कार्ड और प्रधानमंत्री जनधन योजना, समग्र शिक्षा के तहत स्कूली बच्चों को निःशुल्क गणवेश व पाठ्यपुस्तकें और प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, सभी पात्र हितग्राहियों के आधार कार्ड बनेंगे। श्रम कार्ड, वोटर आईडी, व्यक्तिगत वनाधिकार पत्र सहित जाति, जन्म, निवास, मृत्यु और ई-डब्ल्यूएस प्रमाण पत्र बनेंगे।

वन विकास निगम की अनूठी पहल सार्वजनिक प्याऊ से प्यास भी बुझा रहे, जंगलों को आग से भी बचा रहे

वन मंत्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में शुरू हुई जनजागरूकता मुहिम

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रदेश के वन मंत्री श्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में वन विकास निगम जगदलपुर द्वारा भीषण गर्मी के बीच एक सराहनीय और अनूठी पहल शुरू की गई है। इस पहल के तहत प्रमुख मार्गों पर सार्वजनिक प्याऊ स्थापित कर राहगीरों और ग्रामीणों को शीतल पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। साथ ही इन प्याऊ केंद्रों के माध्यम से ग्रामीणों को जंगलों को आग से सुरक्षित रखने के लिए जागरूक भी किया जा रहा है।

प्यास बुझाने के साथ वन संरक्षण का संदेश: बस्तर संभाग में पड़ रही भीषण गर्मी और चिलचिलाती धूप को देखते हुए वन विकास निगम ने आमजन की सुविधा के लिए जगह-जगह प्याऊ केंद्र शुरू किए हैं। इन केंद्रों पर तैनात वन कर्मी राहगीरों को ठंडा पानी पिलाने के साथ-साथ जंगलों को दावानल से बचाने का संदेश भी दे रहे हैं।

गर्मी में बढ़ जाता है जंगलों में आग का खतरा: गर्मी के मौसम में सूखी पत्तियों और तेज हवाओं के कारण जंगलों में आग लगने की आशंका बढ़ जाती है। छोटी-सी लापरवाही भी बड़े नुकसान का कारण बन सकती है। जंगलों में लगने वाली आग से वन संपदा के साथ-साथ वन्यजीवों को भी भारी नुकसान पहुंचता है।

ग्रामीणों को दिलाया जा रहा वन सुरक्षा का संकल्प: प्याऊ केंद्रों पर आने वाले ग्रामीणों और राहगीरों को वन कर्मी जंगलों की सुरक्षा का संकल्प दिला रहे हैं। उन्हें बताया जा रहा है कि थोड़ी सी सावधानी से जंगलों को आग जैसी बड़ी आपदा से बचाया जा सकता है।

वन विकास निगम की आमजन से विशेष अपील: वन विकास निगम जगदलपुर ने नागरिकों से अपील की है कि वे वन सुरक्षा के लिए निम्न सावधानियां जरूर बरतें- जलती बीड़ी-सिगरेट न फेंकें। जंगलों से गुजरते समय जलती हुई बीड़ी, सिगरेट या माचिस की तीली कहीं भी न फेंकें। सूखे पत्तों में यह तुरंत आग पकड़ सकती है।

वनोपज संग्रहण के दौरान आग न लगाएं: महुआ या अन्य लघु वनोपज संग्रहण के दौरान पेड़ों के नीचे सूखी पत्तियां साफ करने के लिए आग का उपयोग न करें। इससे आग फैलने का खतरा रहता है।

आग दिखे तो तुरंत सूचना दें: यदि कहीं जंगल में आग सुलगती दिखाई दे तो तत्काल नजदीकी वन विकास निगम कार्यालय या वन विभाग के कर्मचारियों को सूचना दें, ताकि समय रहते आग पर नियंत्रण पाया जा सके।

वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने की पहल की सराहना: वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि जंगलों की सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि वन विकास निगम की यह पहल जनसेवा और वन संरक्षण का उत्कृष्ट उदाहरण है।

प्राकृतिक आपदा के 2 प्रकरणों में मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के प्रावधानों के अंतर्गत प्राकृतिक आपदा एवं नैसर्गिक विपत्तियों से होने वाली जनहानि पर प्रभावित परिवारों को आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। इसी के तहत प्राकृतिक आपदाओं में हुई मृत्यु के 2 प्रकरणों में जशपुर कलेक्टर द्वारा कुल 8 लाख रूपये की सहायता राशि स्वीकृत की गई है। अपर कलेक्टर श्री प्रदीप साहू से प्राप्त जानकारी के अनुसार तहसील तपकरा के ग्राम बांसाझाल निवासी जेवियर बड़ा की तालाब के पानी में डूबने से मृत्यु हो जाने के कारण उनके पुत्र विक्रम बड़ा को कुल 4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत किया गया है। इसी प्रकार तहसील कांसाबेल अंतर्गत ग्राम पोंगरो निवासी लक्ष्मणी पैंकरा की आकाशीय बिजली से मृत्यु हो जाने पर उनके पति दिलेश्वर साय को 4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है। उल्लेखनीय है कि जिला प्रशासन द्वारा प्राकृतिक आपदा के प्रकरणों में प्रभावित परिवारों को त्वरित राहत प्रदान करने हेतु सभी आवश्यक कार्यवाही प्राथमिकता के साथ पूर्ण की जा रही है।

नारायणपुर में टसर रेशम ने बदली आदिवासियों की तकदीर

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ के घने जंगलों और शांत वादियों के बीच बसा नारायणपुर जिला आज रेशम उत्पादन के क्षेत्र में एक नई और सुनहरी पहचान गढ़ रहा है। यहाँ के रेशम विभाग द्वारा संचालित 'टसर रेशम विकास एवं विस्तार कार्यक्रम' स्थानीय आदिवासी परिवारों के जीवन में एक मूक लेकिन बेहद असरदार आर्थिक क्रांति का जरिया बन चुका है। पारंपरिक खेती और मजदूरी पर निर्भर रहने वाले जो ग्रामीण कभी स्थानीय स्तर पर रोजगार न होने के कारण पलायन करने को मजबूर थे, वे आज अपने ही घर-आँगन में साल भर में तीन-तीन फसलें लेकर आत्मनिर्भरता की एक नई इबारत लिख रहे हैं। मात्र 2 रूपए में मिल रहे अंडे, ककून बैंक से बिचौलियों का खेल खत्म रेशम विभाग ने इस पूरी व्यवस्था को

बेहद सुलभ और पारदर्शी बनाया है। विभाग अपने पौधारोपित क्षेत्रों में महिला और पुरुष स्व-सहायता समूहों के माध्यम से टसर कृमिपालन का कार्य करा रहा है। ग्रामीणों पर शुरुआत में कोई आर्थिक बोझ न आए, इसके लिए विभाग मात्र 2 रुपये की मामूली अनुदान दर पर टसर कृमि के अंडे उपलब्ध कराता है। हितग्राही लगभग 45 से 50 दिनों तक पूरी लगन के साथ इन कृमियों का पालन करते हैं, जिसके बाद पेड़ों पर चमकीले कोसाफल (ककून) तैयार हो जाते हैं। ग्रामीणों को अपनी फसल बेचने के लिए बाजारों के चक्कर नहीं काटने पड़ते।

सुशासन तिहार बना किसानों का भरोसा

किसान रूपसिंह नेताम को तत्काल मिली नई किसान किताब,

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेशभर में संचालित सुशासन तिहार अब आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान का प्रभावी माध्यम बनता जा रहा है। शासन की इस जनहितकारी पहल से दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को भी राहत और सुविधाएं सहज रूप से उपलब्ध हो रही हैं। गौरेला विकासखंड के ग्राम पंचायत आमाडोब पटपरी निवासी किसान रूपसिंह नेताम इसका जीवंत उदाहरण हैं, जिन्हें सुशासन तिहार के तहत आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में तत्काल नई किसान किताब उपलब्ध कराई गई। दरअसल, किसान रूपसिंह नेताम की किसान किताब कुछ दिन पहले गुम हो गई थी। किसान किताब नहीं होने के कारण उन्हें

कृषि कार्यों के संचालन, राजस्व संबंधी प्रक्रियाओं एवं शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। समस्या के समाधान के लिए उन्हें बार-बार कार्यालयों के चक्कर लगाने की चिंता थी, लेकिन सुशासन तिहार के तहत आमाडोब में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर ने उनकी परेशानी को आसान कर दिया। शिविर में पहुंचकर रूपसिंह नेताम ने किसान किताब की द्वितीय प्रति प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया। आवेदन मिलते ही राजस्व विभाग ने तत्परता और संवेदनशीलता दिखाते हुए आवश्यक प्रक्रिया पूरी की तथा उन्हें तत्काल नई किसान किताब उपलब्ध करा दी। प्रशासन की इस त्वरित कार्यवाही से किसान रूपसिंह नेताम बेहद प्रसन्न नजर आए। रूपसिंह नेताम ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि सुशासन तिहार आम लोगों की समस्याओं के त्वरित समाधान का सशक्त माध्यम बनकर उभरा है। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय, जिला प्रशासन एवं राजस्व विभाग के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पहले छोटे-छोटे कार्यों के लिए कई बार दफ्तरों के चक्कर लगाने पड़ते थे, लेकिन अब शिविर के माध्यम से समस्याओं का समाधान सरल, सहज और समय पर हो रहा है।

शासन की संवेदनशील पहल से मजबूत हो रहा जनविश्वास: राज्य सरकार द्वारा संचालित सुशासन तिहार का उद्देश्य शासन और आमजन के बीच की दूरी को कम कर प्रशासनिक सेवाओं को गांव-गांव तक पहुंचाना है। इस पहल के माध्यम से ग्रामीणों को राजस्व, सामाजिक सुरक्षा, आधारभूत सुविधाओं एवं विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से जुड़ी समस्याओं का त्वरित निराकरण मिल रहा है। विशेष रूप से दूरस्थ और वनांचल क्षेत्रों में लगाए जा रहे शिविरों से लोगों का प्रशासन पर विश्वास मजबूत हुआ है।

सुशासन तिहार 2026 खलीबा क्लस्टर में जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित

आवेदनों के समयबद्ध निराकरण के दिए निर्देश, 51 हितग्राही विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में संचालित राज्य शासन की महत्वाकांक्षी पहल 'सुशासन तिहार 2026' के अंतर्गत सरगुजा जिले के अंबिकापुर जनपद पंचायत के ग्राम पंचायत खलीबा क्लस्टर में जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य प्रशासन को जनता के द्वार तक पहुंचाकर उनकी मांगों, समस्याओं एवं शिकायतों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करना रहा। शिविर में क्लस्टर अंतर्गत आने वाली 28 ग्राम पंचायतों के ग्रामीणों ने बड़ी संख्या में सहभागिता करते हुए विभिन्न

विभागों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। शिविर में लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज मुख्य रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण कर योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी ली तथा अधिकारियों को अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए। विधायक श्री मिंज ने ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों का निर्धारित समय-सीमा में निराकरण कर आवेदकों को सूचित करने के निर्देश दिए। विधायक श्री प्रबोध मिंज ने कहा कि 'सुशासन तिहार' शासन का एक महत्वपूर्ण अभियान है, जिसके माध्यम से मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देशन में प्रशासन स्वयं गांव-गांव पहुंचकर लोगों की समस्याएं सुन रहा है और उनका समाधान सुनिश्चित कर रहा है। उन्होंने ग्रामीणों से अपनी मांगें और समस्याएं खुलकर रखने का आग्रह करते हुए कहा कि शासन हर पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

भीषण गर्मी से वन्यजीवों पर संकट, वन विभाग सतर्क

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रदेश में पड़ रही भीषण गर्मी और हीट वेव का असर अब वन्यजीवों पर भी दिखाई देने लगा है। खैरागढ़ वन क्षेत्र के उपवृत्त लछना अंतर्गत दल्लीखोली के वन कक्ष क्रमांक 322 में 15 वन्यजीव और पक्षी मृत अवस्था में पाए गए। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और तत्काल जांच शुरू की गई।

प्रारंभिक जांच में हीट वेव की आशंका: वन विभाग और पशु चिकित्सकों की टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। प्राथमिक जांच में माना जा रहा है कि पिछले कई दिनों से क्षेत्र में पड़ रही अत्यधिक गर्मी और हीट वेव के कारण यह घटना हुई हो सकती है। जांच को पुख्ता करने के लिए आसपास के जल स्रोतों और मिट्टी के नमूने लेकर प्रयोगशाला भेजे गए हैं।

वन्यजीव संरक्षण के लिए बनाए गए अस्थायी वाटर होल: भीषण गर्मी से वन्यजीवों को राहत देने के लिए वन विभाग ने क्षेत्र में 3 अस्थायी वाटर होल तैयार किए हैं। इनमें नियमित रूप से पेयजल की व्यवस्था की जा रही है। आवश्यकता के अनुसार अन्य स्थानों पर भी वाटर होल बनाए जा रहे हैं, ताकि वन्यजीवों को पानी की कमी का सामना न करना पड़े।

ट्रैप कैमरों से रखी जा रही निगरानी: वन विभाग ने संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी बढ़ा दी है। ट्रैप कैमरों के माध्यम से वन्यजीवों की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है। साथ ही वन अमला नियमित गश्त कर रहा है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तत्काल कार्रवाई की जा सके।

सुशासन तिहार 2026 कस्तूरा शिविर में हितग्राहियों को मिला योजनाओं का लाभ

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में जशपुर जिले में सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविरों का प्रभावी संचालन किया जा रहा है। शिविरों के माध्यम से शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ ग्रामीणों तक पहुंचाया जा रहा है तथा पात्र हितग्राहियों को मौके पर ही विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित किया जा रहा है। इसी क्रम में जशपुर जिले के दुलदुला विकासखंड अंतर्गत ग्राम कस्तूरा में आयोजित जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा हितग्राहियों को सामग्री एवं प्रमाण पत्र वितरित किए गए। जिला पंचायत उपाध्यक्ष शौर्य प्रताप सिंह जुदेव ने हितग्राहियों को योजनाओं के तहत सामग्री प्रदान कर शासन की योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया।

शिविर में कृषि विभाग द्वारा किसानों को किसान किताब वितरित की गई। साथ ही किसानों को आम, लीची एवं अन्य फलदार पौधों का वितरण कर बाड़ी विकास और उद्यानिकी गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

महानदी के उद्गम स्थल की बदलेगी सूरत

धार्मिक और प्राकृतिक पर्यटन का नया वैश्विक केंद्र बनेगा नगरी-सिहावा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ और ओडिशा की जीवनदायिनी मानी जाने वाली पावन महानदी के उद्गम क्षेत्र 'नगरी-सिहावा' को अब एक नई और भव्य पहचान मिलने जा रही है। प्राकृतिक सौंदर्य, ऐतिहासिक धरोहर और अगाध धार्मिक आस्था को अपने आंचल में समेटे इस क्षेत्र को पर्यटन के मानचित्र पर मजबूती से उभारने के लिए जिला प्रशासन ने कमर कस ली है। इसी कड़ी में धमतरी के कलेक्टर ने नगरी विकासखंड के ग्राम फारसिया स्थित प्रसिद्ध महामाया मंदिर परिसर का दौरा कर वहां चल रहे सौंदर्यीकरण और विकास कार्यों का बारीकी से निरीक्षण किया।

महामाया मंदिर परिसर में विकास की नई किरण: महामाया मंदिर परिसर में

श्रद्धालुओं की सुविधाओं को बढ़ाने और स्थल के आकर्षण को दोगुना करने के लिए युद्ध स्तर पर कार्य जारी हैं। परिसर को रोशन करने के लिए सोलर लाइट स्थापना का कार्य सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। मंदिर परिसर में पेवर ब्लॉक निर्माण, आकर्षक पार्क का विकास, श्रद्धालुओं के बैठने के लिए कुर्सियों की व्यवस्था और नारियल के पौधों का रोपण किया जा रहा है। हाल ही में परिसर स्थित पवित्र कुंड की सघन साफ-सफाई की गई है। कलेक्टर ने इस ऐतिहासिक कुंड की आवश्यक मरम्मत और संरक्षण कार्य को समय-सीमा के भीतर पूरा करने के निर्देश दिए हैं, ताकि इसकी धार्मिक गरिमा अक्षुण्ण रहे।

17 किलोमीटर लंबा महानदी संरक्षण अभियान: महानदी केवल एक नदी नहीं, बल्कि इस पूरे अंचल की संस्कृति और जीवन का आधार है। जिला प्रशासन, स्थानीय जनप्रतिनिधियों और मेघा फाउंडेशन के त्रिकोणीय सहयोग से लगभग 17 किलोमीटर के दायरे में महानदी स्वच्छता एवं संरक्षण अभियान चलाया जा रहा है। इस महाअभियान के तहत नदी के तटों की व्यापक सफाई की जा रही है और पर्यावरण को सुदृढ़ बनाने के लिए बड़े पैमाने पर नारियल के पौधे रोपे जा रहे हैं। इस ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व के स्थल के संरक्षण और विकास का अवसर मिलना सभी के लिए गौरव का विषय है। मुख्य उद्देश्य विकास के साथ-साथ सांस्कृतिक पहचान को बचाए रखना है। 20 करोड़ रुपए की लागत से संगम स्थल गणेश घाट,गणेश्वर मंदिर और सप्तऋषि क्षेत्र नगरी-सिहावा को पर्यटन का मुख्य केंद्र बनाने के लिए प्रशासन ने एक बेहद महत्वाकांक्षी कार्ययोजना तैयार की है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी
आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा